वर्ष 47, अंक 03, वीर संवत् 2552, अक्टूबर 2026, इन्दौर 452 001
डाक Registered No. MP/IDC/113/2024-2026 RNI/HIN/37-1982
मूल्य 20 रुपए
प्रकाशन तारीख 27.10.2026, प्रेषण तारीख 29.10.2026, प्रेषण स्थल – RMS इन्दौर

श्री जैन सेवा समिति श्वेताम्बर इंदौर द्वारा प्रकाशित

प्रधान सम्पादक
नरेन्द्रकुमार सांका

जैन ध्वनि

समग्र जैन समाज का मासिक पत्र

आहिस्ता चल जिंदगी , अभी
कई कर्ज चुकाना बाकी है
कुछ दर्द मिटाना बाकी है,
कुछ फर्ज निभाना बाकी है
रफ्तार में तेरे चलने से
कुछ रुठ गए कुछ छुट गए
रुठो को मनाना बाकी है !
कुछ रिश्ते बनकर, टूट गए
कुछ जुड़ते-जुड़ते छुट गए
उन टूटे-छूटे रिश्तो के
जख्मों को मिटाना बाकी है
कुछ हसरते अभी अधूरी है
कुछ काम भी और जरूरी है
जीवन की उलझ पहेली को
पूरा सुलझाना बाकी है
जब साँसो को थम जाना है
फिर क्या खोना, क्या पाना है ।

श्री जैन सेवा समिति श्वे. इंदौर का स्वप्न साकार



नव निर्मित समिति भवन

प्रतिदिन मालवा के प्रसिद्ध

लड्डू बाफला

घर पहुंच सेवा

पार्टियों के ऑर्डर लिए जाते हैं।

Mob : 88787-93939

होटल राजहंस

52, बड़ा सराफा, इन्दौर (म.प्र.)

2541671, 2544261, 9009293939

इत्र ॥ श्री ॥ सेन्ट

ऋषभ जैन उपकरण भण्डार

श्वेताम्बर व दिगम्बर मंदिरों में लगने वाली समस्त पूजन सामग्री

विशेष : पूजन शोले, चन्दन, वासक्षेप, बरक धूपसली, केसर, ब्रास, अंगरचना, सामग्री, सामायिक सामग्री

41, इतवारिया बाजार, सब्जीमंडी, मोती महल के पास, इन्दौर

विजय कंकरेचा
मो. 9826359259
(ब्रांच) 2459963

आकाश कंकरेचा
मो. 9826359659
(ऑ) 2430387

सहयोगी प्रतिष्ठान : ऋषभ एण्ड कम्पनी 17, मरोठिया बाजार, इन्दौर



मे. अशोक कुमार एण्ड कम्पनी

सोने एवं चाँदी के फेंसी आभूषण के विक्रेता

शक्कर बाजार, राजरतन काम्पलेक्स (तलघर में), इन्दौर

Mob : 96304-27084, 98268-53400

रोटेरियन
एम.डी. दिलीप सेकेट्री
मो. 9893576550

सचिन सेकेट्री – मो. 9893010003
सर्वेश सेकेट्री – मो. 9893068005

एक्टिव बैट्री प्रोडक्ट एण्ड लब्धी ट्रेडिंग कम्पनी

समस्त प्रकार के इन्वर्टर, बैट्री, सोलर व मूनलाइट रिचार्जेबल टॉर्च एवं स्पेयर पार्ट्स के विक्रेता

एम.टी.एच. कम्पाउण्ड, मोदी टॉवर, शॉप नं. एम–6,7
आराम होटल के पास, इन्दौर (म.प्र.) 452 001

Email : active09abp@gmail.com

विश्वास के 38 वर्ष

N R Kitchenware Pvt. Ltd.

इंदौर शहर का एकमात्र मल्टी ब्रांड शोरूम & डिस्ट्रीब्यूटर

कुकर, मिक्सर, गैस स्टोव, कुकवेयर, क्राकरी, चिमनी, बाटी ओवन, क्लॉथ स्टैंड, लैडर, बॉटल, फ़्लास्क, टिफ़िन मिलने का विश्वसनीय स्थान

शोरूम: 23, राम लक्ष्मण बाज़ार (M):9752341291
50, पागनिस पागा, पानी की टंकी के सामने (M):9111161291, इन्दौर (म.प्र)

रोहित केमिस्ट

20/1 न्यू पलासिया जवाहरबाग चौराहा, कमोरपेन हॉस्पीटल के पास, इंदौर
मो. 9926699388

रोहन केमिस्ट

स्कीम नं. 54 भण्डारी हॉस्पीटल के पास, इंदौर
मो. 9893093930
साहील एप्पायर, अग्रवाल पब्लिक के सामने, इंदौर मो. 8599966966

साल्ट

स्कीम नं. 54, भंडारी हॉस्पीटल के पास
इंदौर ✲ मो. 9993698270

दि लिटिल क्लोसेट

आगरा पब्लिक के सामने, इंदौर
मो. 9074394000

विजय मेहता–91314 51505

मे. विमलचंद धाकड़

॥ मंगलम् ॥

✲ दौहरें ✲ टेपेस्ट्री ✲ टॉवेल्स ✲ ब्लेंकेट्स ✲ बेड शीट्स ✲ सेंचुरी कॉटन
✲ कर्टन क्लॉथ ✲ सोफा सीट बेक ✲ एक्सपोर्ट सरप्लस
✲ पिलो–कुशन कव्हर्स ✲ होटल, हॉस्पिटल ✲ बुटिक, टेंट सप्लाय

महावीर धाकड़

गिफ्ट / प्रभावना हेतु अनेक आयटम उपलब्ध

58, एम.टी. क्लॉथ मार्केट, इन्दौर – फोन : 94253-21253

HIMANSHU JAIN
PIYUSH JAIN

Royal Auto

Deals in Genuine Car
Air Conditioning Spare Parts
Aluminium, Radiators
Fan Assemblies, Intercooler
Mirrors, Gear Cable

B-14, Alankar Point, Geeta Bhawan Square, A.B. Road, Indore 01
Ph. : 0731-7966681 I Mob. : 99935-67870, 90392-13234
E-mail : himanshu.royalauto@gmail.com

OSIYA FURNISHING

Mahaveer Jain : 9424038727
Mihir Jain : 9777777356

LIVE COMFORTABLY, LIVE BEAUTIFULLY

A COMPLETE RANGE OF FURNISHING SOLUTIONS FOR YOUR HOME

149, Dravid Nagar, Ranjit Hanuman Road, Nakoda Palace, Indore (M.P.)

BETTER DESIGN, BETTER LIVING

Anil Tater
9425054390



Sunil Tater
9425314993
6232667077

Sunil Dry Fruits

The Dry Fruit People

6, Jawahar Marg, Ug-5, Gupta Chamber, Siyaganj, Indore
(O) 2362558, 2365458 (R) 2400611

जैन प्रतीक

info.jainprateek@gmail.com
www.jainprateek.net
प्रकाशक
श्री जैन सेवा समिति श्वेताम्बर, इन्दौर

जैन प्रतीक सदस्यता
2026 से 2030
नवीनीकरण 600/–

प्रधान सम्पादक
• **नरेन्द्रकुमार रांका**
101, बोथरा इन्कलेव, अभय प्रशाल के सामने, आरसीएम टावर के सामने इंदौर मो. : **9926440311**

प्रबंध सम्पादक
• **दिलीप जैन (सेकेट्री)**
बैंक में रूपये भरकर सदस्यता हेतु सम्पर्क करें
16/1, साऊथ तुकोगंज सृष्टि होस्टल के सामने, इन्द्रप्रस्थ टॉवर के पीछे,
मो. : 98935-76550

सह-सम्पादक
• **नरेन्द्र सिंह बापना**
मो. : 94253-48699

• **महेश गोलेछा**
मो. : 94252-34336
• **प्रदीप चौरड़िया**
(ई पेपर हेतु)
मो. : 9893333380
• **कैलाशचन्द जिन्दानी**
मो.: 94248-03033
• **विशाल डागरिया**
मो.: 98933 01040
• **नरेश मेहता**
मो.:98263-06201

समाचार-लेख आदि माह की 3 तारीख के पहले प्रधान संपादक को भेजें।

लेखक के विचार से सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है।

प्रकाशन संबंधी विवाद का न्याय क्षेत्र इन्दौर है।



इन्दौर जीतो चैप्टर के चेयरमेन मनोनीत होने पर श्री दिलीप सी जैन को बधाई।



बधाईयाँ। श्रीमती टीना जयसिंह जी जैन के जीतो इंदौर लेडीज विंग के चेयरपर्सन मनोनीत होने पर हार्दिक शुभकामनाएँ बहुत बहुध बधाईयाँ



केशरवाटिका में मुनिश्री अर्हमसेन जी म.सा. को वक्तव्य कला का प्रशिक्षण देते हुए श्री जितेन्द्र जी मालू सा.।

रामबाग दादाबाड़ी में भूमि पूजन



इंदौर। रामबाग दादावाड़ी में नवनिर्माण का भूमि पूजन। 9000 वर्ग फीट क्षेत्र में बनेगी बहुमंजिला इमारत, 32 कमरों के साथ नई होगी भोजन शाला। श्री सजनलालजी प्रमोदजी सेठी ने भूमिपूजन का लाभ लिया। भूमि पूजन कार्यक्रम प.पू. गच्छगणिनी श्री शुभंकराश्री जी, श्री विजयप्रभा श्री जी एवं प.पु. श्री प्रभंजना श्री जी म.सा. की निश्रा में सम्पन्न हुआ।

एजुकेशन लोन बिना ब्याज के

समिति द्वारा जैन समाज के आर्थिक रुप से कमजोर, मेधावी छात्रों को प्रोफेशनल, ग्रेजुएशन एवं पोस्ट ग्रेजुएशन हेतु एजुकेशन लोन। केवल इन्दौरवासियों के लिए है।

अध्यक्ष	सचिव	संयोजक
विमल नाहर	नरेन्द्र डांगी	वीरेन्द्र नागदा
9827029436	94253 15821	9424404142

जैन प्रतीक सदस्यता (पर्युषण तक)

इस अंक से 600 रु. में सदस्यता 2026 से 2030 तक रहेगी

Bank of India
Relationship beyond banking
JAIN PRATEEK
SCAN & PAY
boim-880565501417@boi

जैन प्रतीक बार कोड द्वारा सदस्यता शुल्क जमा कर श्री दिलीप सेकेट्री को मो. 98935-76550 पर (वाट्सऐप करे) सूचित करें।

शिकायत हेतु- जैन प्रतीक के प्रत्येक अंक पर पीछे एड्रेस के साथ सदस्यता नंबर लिखा रहता है। उसका फोटो खींचकर दिलीप सेक्रेटरी मो. 9893576550 को वाट्सअप करे। कोई माह पेपर नही मिलता है तो ई-पेपर हेतु प्रदीप चौरड़िया (मो. 9893333380) से बात करें।तीन माह में एक बार कोरियर द्वारा भेजी जावेगी। हर बार शिकायत के साथ सदस्यता न. एवं एड्रेस भेजना जरुरी है।

श्री जैन सेवा समिति द्वारा संचालित गतिविधियाँ

■ स्वधर्मी जरुरतमंद परिवारों को गेहूँ, चावल, दाल, तेल, मिठाई आदि विरण
■ पुस्तक कोष योजना ■ मेधावी छात्र-छात्रा सम्मान, कार्यक्रम
■ जैन प्रतीक (प्रकाशन), प्रतिदिन भोजन पैकेट वितरण योजना
■ साधु-साध्वी वैयावच्च-कैंसर, किडनी, हार्ट सर्जरी सहायता ■ छात्रवृत्ति - एज्युकेशन लोन।

सम्पादकीय

भाग्य बिना कुछ नहीं मिलता

रामू नाम का एक आदमी था और उसकी औरत का नाम शांति था। उसका एक पुत्र था। वे छोटे से गाँव में रहते थे। वे बहुत गरीब थे। जैसे तैसे दिन गुजरते थे। एक बार देवर्षि नारद भगवान के पास जा कर कहने लगे-भगवान आपका न्याय कैसा है, कोई खूब अमीर, कोई को दो जून की रोटी भी नसीब नहीं ?

भगवान कृष्ण कहने लगे कि ये प्रारब्ध अपने कर्म के अनुसार मिलते है तुम रामू की बात कर रहे हो पर उसके प्रारब्ध में ही ऐसा लिखा है, चाहो तो आजमा कर देख लो। तुम जाकर रामू से कह देना, कल सूर्योदय होने पर गंगा में स्नान करने पर चाहे जो वरदान मांग ले, मिल जाएगा।

देवर्षि नारद ने रामू के पास आकर कहा कल सूर्योदय होने के बाद तुम चाहे जो वरदान मांग लेना रामू, शांति और उसका बेटा तीनों बहुत खूश हुए। दूसरे दिन सूर्योदय हुआ। शांति कहने लगी-पहले मैं वरदान मांगती हूँ, ऐसा कहकर शांति ने इन्द्राणि होने का वरदान मांगा। वरदान सत्य हुआ तथा शांति इंद्राणि बन गई। वह अपनी झोपड़ी में बैठी थी। रामू तथा उसका बेटा रोजी रोटी कमाने गए थे। शांति घर में अकेली थी।

उधर एक राजा रथ लेकर निकला। शांति को इंद्राणि के रूप में देखकर कहने लगा-इतनी सुंदर अप्सरा टूटी फूटी झोपड़ी में कैसे ? उसने शांति को अपने रथ में बिठाया तथा महल में आ गए। शांति सोचने लगी रूप कितनी बड़ी चीज है। कहाँ से कहाँ पहुँचा देता है। कहाँ टूटी फूटी झोपड़ी, कहाँ ये आलीशान महल।

इधर जब रामू घर आया तो देखता है झोपड़ी खाली, उसने अपने बेटे से कहा- तुम्हारी माँ को कोई ले गया है कारण झेपड़ी के आसपास रथ के पहिए दिखाई दे रहे है। रामू रथ के पहिये के निशान के सहारे राजमहल तक पहुँच गया। सामने अपनी पत्नी शांति को देखा और बोला शांति चलो घर को चलो।

पर यह क्या ? शांति ने साफ इंकार कर दिया। कहने लगी- यह तो पागल आदमी है। इसको बाहर निकाल दो। रानी के हुकुम के मुताबिक नौकरों ने रामू की बाहर निकाल दिया। रामू का गुस्सा सांतवे आसमापन पर पहुँच गया। उसने भी गंगाजी का पानी जो उसके साथ लाया था, अभी दिन ढ़लने में देर थी, पानी अपने ऊपर डाला तथा हाथ जोड़कर कहा-भगवान मेरी शांति बकरी हो जाए।

कहने भर की देर थी रानी बकरी में बदल गई। राम अपनी (बकरी) शांति को लेकर अपनी झोपड़ी में ले आया। उसका बेटा जो राह देख रहा था कहने लगा-पिताजी माँ कहाँ हैं ? रामू ने बकरी की तरफ इशारा करते हुए कहा कि यही तुम्हारी माँ है और रामू ने सारी कहानी बेटे को सुना दी। बेटे का वरदान बाकी था। उसने गंगा में डुबकी लगाई तथा वरदान मांगा कि मेरी माँ वापस अपने असली रूप में आ जाए। बस वापस शांति के रूप में शांति आ गई। तीनों के वरदान पूरे हुए तथा सब वापस अपनी गरीब गृहस्थी में रहने लगे।

परोपकार का पैमाना बांटी गई दौलत नहीं, संवारे गए जीवन होने चाहिए; दान की सबसे बड़ी जीत यह कि एक दिन उसकी जरूरत ही न रह जाए



श्रीमती नीता अंबानी

मुंबई। मुंबई के मध्यमवर्गीय परिवार से निकलकर रिलायंस फाउंडेशन की चेयरपर्सन बनने तक, नीता मुकेश अंबानी का जीवन सेवा और संवेदनशीलता की मिसाल रहा है। व्यक्तिगत अनुभवों, माता-पिता की सीख और गांधीवादी मूल्यों को साझा करते हुए वे बता रही है कि मजबूत संस्थानों के जरिए समाज में स्थायी बदलाव कैसे ला सकते है..'मेरे माता-पिता ने हमें हमेशा यह सिखाया कि जीवन की सफलता का वास्तविक अर्थ तभी है, जब उससे दूसरों का भी भला हो। बचपन में मैं अक्सर रविवार को पिता के साथ जरूरतमंदो को भोजन बांटने जाती थी। उन्ही अनुभवों ने मेरे भीतर सेवा व संवेदनशीलता के संस्कार डालें। प्राइमरी स्कूल में टीचर के रूप में काम किया, तो समझा कि टीचर की सबसे बड़ी देन सिर्फ ज्ञान नही, बल्कि बच्चों में आत्मविश्वास और अपनी क्षमताओं पर भरोसा जगाना है।

मां बनने के बाद यह एहसास और गहरा हुआ कि किसी नन्ही जिंदगी को प्यार, अवसर और सही दिशा देना दुनिया की सबसे बड़ी खुशियों में से एक है। बापू के 'सर्वोदय' और 'अंत्योदय' के विचारो ने मेरी सोच को गहराई से प्रभावित किया है। मेरा मानना है कि परोपकार का सर्वोच्च उद्देश्य यह होना चाहिए कि एक दिन उसकी जरूरत ही न रहे। इसके लिये सिर्फ तात्कालिक मदद काफी नही है। हमें ऐस मजबूत संस्थान बनाने होंगे जो लोगो को अवसर दें और स्थायी बदलाव ला सकें।

यूनिवर्सिटी, अस्पताल, स्कूल, लैब और सांस्कृतिक संस्थान किसी भी समाज के भविष्य की नींव होते हैं। हर पीढ़ी का दायित्व है कि वह अगली पीढ़ी को उनसे बेहतर संस्थान सौंपकर जाए। आज संसाधनो की कोई कमी नही है, फिर भी दुनिया के करोड़ो लोग पौष्टिक भोजन, साफ पानी, अच्छी शिक्षा, स्वास्थय सेवाओं और सम्मानजनक रोजगार से वंचित है। इन चुनौतियों से निपटने में सरकारो और संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है लेकिन समाज को ऐसे सेवाभावी संगठनो की भी जरूरत है जो करूणा, गुणवत्ता और नवाचार को साथ लेकर चलें।

देशभर में मुझे असाधारण प्रतिभा व समर्पण से भरे डॉक्टर, नर्स, टीचर, कलाकार, किसान,खिलाड़ी और स्वयंसेवक मिले है। सही अवसर व सहयोग मिलने पर ऐसे लोग चमत्कारिक बदलाव ला सकते है। सबसे स्वाभिमानी लोग दान नही, अवसर चाहते है। जब उन्हें सीखने, बढ़ने व योगदान देने का मंच मिलता है, तो उनकी जिंदगी बदल जाती है। मेरी कामना है कि हम भावी पीढ़ियो को ऐसी दुनिया सौंपे जो ज्यादा स्वस्थ, दयालु और संवेदनशील हो। 'वसुधैव कुटुंबकम' हमें सिखाता है कि पूरी दुनिया एक परिवार है। मजबूत संस्थान यही भावना साकार करते है। हम सब एक ही पेड़ की शाखाओं की तरह जुड़े है, इसलिये समाज व भविष्य को संवारने की जिम्मेदारी भी हम सबकी है।

अंततः परोपकार की सफलता इस बात से नही मापी जानी चाहिए कि हमने कितना धन बांटा, बल्कि इससे कि हमने कितने जीवन संवारे और कितने भविष्य गढ़े।'

नीता एम अंबानी (बिजनेसवुमन समाजसेवी व रिलायंस फाउंडेशन की चेयरपर्सन)

मानव जीवन दुर्लभ, आत्मकल्याण में उपयोग करें



इन्दौर । केसरी वाटिका में जैनाचार्य विजय नित्यसेन सूरीश्वर जी की निश्रा में मुनि डॉ. सिद्धरत्न विजय जी ने कहा कि मनुष्य जीवन केवल सांसारिक सुख-सुविधाओं के लिये नही है । इसे व्रत, संयम और धर्माराधना से आत्मकल्याण का अवसर बनाना चाहिए । उन्होने दुख से मुक्ति के लिये पाप से मुक्ति को आवश्यक बताया ।

डा.जयंतीलाल भंडारी को हरिहर लहरी सम्मान

इन्दौर । श्री हरिहर लहरी सम्मान समारोह समिति द्वारा मुख्य अतिथि सांसद शंकर लालवानी और विशिष्ट अतिथियों के द्वारा ख्यात शिक्षाविद और अर्थशास्त्री डॉ.जयंतीलाल भंडारी को प्रतिष्ठित हरिहर लहरी सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया ।

''हम जैसे होते है, वैसा ही संसार हमें दिखाई देता है''



हैदराबाद । **धर्म को जीवन की प्राथमिकता बनाने, आत्मजागृति की दिशा में बढ़ने की प्रेरणा ।**

श्री जिनकुशल दादावाड़ी बाग के प्रांगण में आयोजित श्री संघ शास्ता वर्षावास 2026 को चातुर्मासार्य विराजमान परम पूज्य गुरुदेव खरतर-गच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वर जी म.सा. ने अपने मंगल प्रवचन में धर्म को जीवन की प्राथमिकता बनाने, परमात्मा की वाणी को आत्मसात करने और आत्मजागृति की दिशा मे आगे बढ़ने की प्रेरणा दी ।

बौद्धिक क्षमता का चमत्कार



इन्दौर । कोई पूछे पिछले 3 दिन से रोज क्या वस्त्र पहने उसका रंग नही बता सके । व्यवासियक व्यवहार में जोड़, घटा, गणित के लिय हम छोटे से उपकरण पर पूरी तरह निर्भर है ऐसे माहोल में हमारे इंदौर नगर में रेसकोर्स संघ में एक अकल्पनीय बौद्धिक क्षमता का चमत्कार इस रविवार दिनांक 27-9-2026 को देखने को मिला । जब परम पूज्य गच्छाधिपति आचार्य श्री विजय विज्ञानप्रभसुरिश्वर जी म.सा. कि गुरूकुलवास मे रहते हुए हमारे श्री संघ की पाठशाला से

मास्टर सूर्यांश कोठारी , उम्र-9 वर्ष

श्री ललित-अरूणा कोठारी (दादा-दादी)
सोमिल-पायल (पिता-माता) ने सकल श्री संघ के समक्ष द्विशतावधना संपूर्ण किया । अलग-अलग व्यक्ति, वस्तु,नाम आदि को याद करके सीधे क्रम में, उल्टे क्रम में, बीच के क्रम में हर तरह से सुना कर सभी को अपनी अद्भुत ज्ञान शक्ति से आश्चर्यचकित कर दिया ।



चेतना के असीम सागर, मार्गदर्शक, प्रेरणास्तोत्र परम पूज्य गुरुदेव को कोटि-कोटि वंदन 69वें जन्मदिन पर अर्हमविज्जा, प्रणेता उपाध्याय प्रवर परम पूज्य गुरुदेव श्री प्रवीण ऋषि जी मा.सा. वें को मन पूर्वक अभिनंदन ।





कम्प्यूटर लेब का उद्घाटन



रायपुर । कुम्हारी स्थित विचक्षण जैन विद्यापीठ मं नवीन कंप्यूटर लैब का उद्घाटन किया गया ।

मुख्य अतिथि के रूप में श्री प्रवीण कुमार सकलेचा की गरिमामयी उपस्थिति रही । समारोह में विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकगण, स्टाफ सदस्य एवं विद्यार्थियो ने सहभागिता की ।

सुधासागर महाराज के सान्निध्य में निकली यात्रा

इंदौर । शनिवार सुबह अनंत चर्तुदशी के चल समारोह के खत्म होने के बाद मध्य क्षेत्र में जैन समाज का बड़ा जुलूस निकला । सफेद परिधान, हाथो में श्वेत पताकाएं आगे बैंड-बाजे और पीछे बग्घियां,रथ, विंटेज कारें व घोड़े..दलाल बाग से निकली शोभायात्रा जैसे-जैसे शहर के बीच पहुंची, सड़क किनारे लोगों की भीड़ बढ़ती गई । 33 वें श्रावक संस्कार शिविर के समापन पर निकी शोभायात्रा में देश-विदेश से आए श्रावको के साथ बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए । रास्ते भर जगह-जगह स्वागत किया गया ।

श्री सुधासागर जी महाराज ने कहा कि जीवन में भगवान, गुरु, परिवार, समाज या विपरीत परिस्थितियाँ जो भी निमित्त बने, उनसे अपनी कौन सी शक्ति जागृत करनी है, यह व्यक्ति के विवेक पर निर्भर है ।



आचार्य श्री विजयरत्नसुन्दरसूरीश्वर जी म.सा. आर.एस.एस. के श्री मोहन जी भागवत से चर्चा करते हुए ।



महासती डॉ. कुमुद लता जी महाराज एवं साध्वी मंडल के सानिध्य में महावीर भवन ट्रस्ट के ट्रस्टी श्री अशोक मंडलिक को 'समाज रत्न' उपाधि से सम्मानित किया।

अभिग्रहाचार्य श्री राजेशमुनिजी का 8 दिवसीय निर्जला उपवास पूर्ण



पानीपत। मुख्यमंत्री नायब सेनी ने मध्यरात्रि पहुँचकर अभिग्रह पूर्ण किया जैन नियमों के अनुसार फल एवं मिठाई स्वीकार नहीं की।

कंचनबाग में अनुष्ठान

इन्दौर। कंचनबाग में पु. मुनिराज श्री लब्धी रत्न सागरजी एवं शौर्य रत्न सागरजी म.सा. की निश्रा में श्रावक/श्राविकायें अनुष्ठान करते हुए।







श्री जिनेश्वर जैन 'प्रज्ञा समाज रत्न' से विभूषित महासती डॉ. कुमुद लता ने कहा जो समाज के लिए जीता है वही सच्चा रत्न है।

राष्ट्रीय अधिवेशन में संस्कार और सेवा का दिया संदेश

इंदौर। एयरपोर्ट रोड़ स्थित श्री केसरी वाटिका में अखिल भारतीय राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् का राष्ट्रीय अधिवेशन आचार्य विजय नित्यसेनसूरीश्वर की निश्रा में आयोजित हुआ। इसमें देशभर से आए प्रतिनिधियों नें सहभागिता की। दिनांक 04 अक्टूबर 2026 रविवार ऐतिहासिक नवयुवक परिषद् अधिवेशन संपन्न राजमहेंद्री के श्री सुरेश जी तलावत बने राष्ट्रीय अध्यक्ष।

जैन प्रतीक आदर्श क्यों ?

वर्तमान युग में जैन प्रतीक बहुत उपयोगी पत्रिका है। यह पत्रिका दर्शनीय, पठनीय, अभिनंदनीय, अनुमोदनीय, आचरणीय है। ज्ञान का कुमकुम है, अनुमोदना का तिलक है।

इस पत्रिका में लेखन, पठन, प्रवचन अंश, बिना ब्याज के छात्रों के लिए विशेष लोन, जरूरतमंद परिवार को खाद्य साम्रगी आदि से सहायता,साधु-साध्वी जी के वैय्यावच्च के उपकरण की सुविधा, बालप्रतिभा सम्मान, ज्ञानोत्तरी प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त करने वालों का सम्मान बच्चों को संस्कार, युवकों को प्रेरणा, बुजुर्गो को स्वास्थय संबंधी सुझाव आदि-आदि प्रेरणादायी साम्रगी इसमें रहती है। इस पत्रिका का उद्देश्य धन कमाना नहीं, परोपकारी, मानवसेवा भावना है।

पत्रिका को आदर्श बनाने का श्रेय संपादक जी और उनकी टीम की निःस्वार्थ भावना को जाता है।

बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएँ।

श्रीमति प्रभा जैन (देवास)



इंदौर में महामंगलकारी अनुष्ठान में बीसीएम परिवार को दानवीर भामाशाह समाज भूषण की उपाधि से सम्मानित किया गया।



श्री प्रकाश जी भटेवरा को aimp के अध्यक्ष बनने पर बहुत-बहुत बधाई।



देवसुर तपागच्छ समुदाय का सम्मेलन

उदयपुर के आयड़ तीर्थ में देवसुर तपागच्छीय सम्मेलन श्रद्धा, एकता, सद्भाव और संगठन की एक बेमिसाल घटना बनी। कार्यक्रम में गुरुदेव के परम भक्त कर्नाटक के महामहिम राज्यपाल श्री थावरचंद जी गेहलोत एवं उदयपुर के महापौर दिनेश जी भट्ट विशेष रूप से पधारे!

श्री पुण्यपाल जी सुराना को सर्वसम्मति से समस्त देवसुर तपागच्छ का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। पू. आचार्य मुक्तिसागर सूरीश्वर जी म.सा. का प्रभावशाली प्रवचन हुआ।







पंचम पुण्य स्मरण

स्मृति शेष....



स्व. श्रीमति इन्द्रा देवी रांका

देवलोकगमन 24 नवंबर 2021

श्रद्धावनत्
नरेंद्र कुमार रांका,
अनिल रांका एवं परिवार



पीपली बाजार उपाश्रय में सरस्वती पूजन का आयोजन चौरड़िया परिवार द्वारा किया गया ।

इन्दौर में जैन धर्म पर प्रदर्शनी

इन्दौर रेसकोर्स रोड़ स्थित उपाश्रय में भगवान आदिनाथ की 64 कलाओं व जैन दर्शन पर प्रदर्शनी में फर्स्ट प्राइज जीव विचारपर श्रीमति आमुषी प्रनेह चौरड़िया, पायल केतन शाह व मनीषा केतन शाह को सेकेण्ड प्राइज आठ कर्मो पर पाठशाला के 8 बच्चों में अष्टकर्मो पर बोला व आ.गच्छाधिपति श्री विज्ञानप्रभ सूरीश्वरजी मासा व अन्य साधु साध्वी ने बहुत प्रशंसा की ।

थर्ड प्राइज भ्रुण हत्या पर ममता बेगानी व श्रीमति पालरेचा व अन्य ने बहुत अच्छी प्रस्तुति दी ।प्रदर्शनी के बारे में ज्ञान अर्जित किया ।

श्रावक को जीव-अजीव का ज्ञान होना आवश्यक

जीव आदि नवतत्वों का जिसको ज्ञान हो गया, श्रद्धा विश्वास हो गया, उसे सम्यकत्व की प्राप्ति होने में देर नही लगती । जीवादि नवतत्वो पर हेय, ज्ञेय, उपादेय दृष्टि की पहचान हमारी समकित को निर्भय बनाने वाली होगी । जीव वह है जिसमें जीवत्व शक्ति होती है, जो आयुष्य का उपयोग करने वाला होता है और सिद्ध क्षेत्र में जिसका जीव मौजूद रहता है । अजीव जड़ पदार्थ है । उनमें जीवत्व शक्ति नही है । पुण्य आत्मर्य को पवित्र करने वाला होता है । पाप छोड़ने योग्य है । पाप आत्मा को भारी बनाता है । कर्मो के आने को आस्रव कहते है । आस्रव से विपरीत संवर है । कर्मो का अंश रूप आत्मा से अलग होना निर्जरा है।

आस्रव द्वार से जो पुदुगल आते है, उनका आत्मा के साथ एकमेक हो जाना संसार परिश्रमण बढ़ाना है । मोक्ष संपूर्ण कर्मो का क्षय हो जाना है । हमारे जीवन के पड़ाव सात अवस्थाओं से निकलते है । जीव-अजीव अपने आप में तत्व है । ऐसा कोई क्षण नही होता जब हमारे कर्मो का बंध नही होता । चाहे हम सामायिक में बैठे है या साधु बने हुए है । फिर भी कर्मो का बंध रूकता नहीं है । श्रावक को जीव-अजीव का ज्ञाता होना चाहिए । जब ये शरीर ही मेरा नही तो माता-पिता, परिजन, मकान, घर, दुकान ये सब मेरे कहाँ से होंगे?

आचार्य श्री रामलाल जी म.सा. ।







कंचनबाग संघ की मिहिका ने सहत्रावधान प्रोग्राम में 100 प्रतिशत नम्बर प्राप्त किये ।

पाठशाला के बच्चों ने वीतराग सिद्धांत को किया जीवंत



इन्दौर । केसरी वाटिका, एयरपोर्ट रोड़ पर गच्छाधिपति श्रीमद् विजय नित्यसेन सूरीश्वर जी महाराज एवं मुनि भगवंतो के सान्निध्य में बच्चो ने गुरु स्तुति एवं वीतराग सिद्धांतो पर आधारित प्रस्तुति राजेन्द्र, जयंत जैन धार्मिक पाठशाला राजेन्द्र उपाश्रय, जूनी कसेरा बाखल के बच्चों ने दी । प्रस्तुति में 45 बच्चों ने सहभागिता की । सपना संघवी के निर्देशन एवं संचालन में प्रस्तुत इस कार्यक्रम ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया ।

बाल प्रतिभा सम्मान एवं ज्ञानोतरी

इन्दौर : श्री जैन सेवा समिति एवं जैन प्रतीक परिवार द्वारा सम्मान समारोह 4 अक्टूबर रविवार को महावीर बाग एरोड्रम रोड़ पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री पारसमलजी डोसी श्री धनपाल जी डोसी एवं श्री मनोहरलाल जी जैन सा. एवं विशेष अतिथि श्री नरेन्द्र सिंह जी बापना, श्री मोहनसिंह जी लालन एवं शिक्षाविद् श्री जयन्तीलाल जी भंडारी थे।

अतिथियों द्वारा भगवान की तस्वीर पर माल्यार्पण किया गया।

सभी अतिथीयों का स्वागत कार्यकारिणी सदस्यों एवं सम्पादक मण्डल द्वारा किया गया। कक्षा 3 री से 12 वी.तक के प्रावीण्य सूची वाले बच्चों को सर्टिफिकेट एवं गिफ्ट दिया गया। बाल प्रतिभा सम्मान के संयोजक प्रितेन्द्र मेहता थे। ज्ञानोत्तरी 2026 का पुरस्कार वितरण भी किया। प्रतियोगियों को नगद राशि देकर सम्मानित किया गया। ज्ञानोत्तरी का संयोजन श्रीमति संगीता जैन ने किया था। संचालन अनिल रांका एवं महेश गोलेछा ने किया।



श्री पारसमलजी का सम्मान



श्री नरेन्द्रजी बापना का सम्मान



श्री मोहनसिंहजी लालन का सम्मान



श्री जयन्तिलाल भंडारी का सम्मान



जैन प्रतीक संपादक मंडल



ज्ञानोतरी सम्मान



ज्ञानोतरी सम्मान



बाल प्रतिभा सम्मान





श्री जैन सेवा समिति श्वेताम्बर इन्दौर के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण

श्री जैन सेवा समिति श्वेतांबर इन्दौर का स्वप्न साकार

समिति की गतिविधियों के सुचारू संचालन हेतु स्वयं का तीन मंजिला भवन का निर्माण पूर्ण होकर नवनिर्मित कार्यालय का शुभारंभ ''चन्दन भवन'' 25/4 नार्थ राजमोहल्ला इन्दौर का उद्घाटन दिनांक 20.10.2026 विजयादशमी को संपन्न हुआ । इसके मुख्य लाभार्थी श्री चन्दनमल जी सुनील कुमार जी चौरड़िया परिवार इन्दौर एवं सहयोगी लाभार्थी श्री जैन सेवा समिति कार्यकारिणी वर्ष 2022-2024 भवन में लिफ्ट प्रदाता श्रीमती सुषमा जी तेजप्रकाश जी जौहरी इन्दौर । इंजिनियर श्री संजयजी मोगरा का पूर्ण रूप से सहयोग रहा ।















महिला मंडल पूजन पढ़ाते हुए











श्री जैन सेवा समिति श्वे. इन्दौर

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी दिपावली के उपलक्ष में समिति द्वारा चयनित परिवार को निम्न सामग्री का वितरण किया गया।

दीपावली सामान वितरण : 17 अक्टूबर 2026

1 ली.शुद्ध घी-	गुप्त नाम
1 ली.शुद्ध घी	श्रीमती शकुन्तलाजी अभय जी अक्षय जी सुराणा 500
अरिहंत	डॉ.प्रेमचंद जी इंदुबालाजी डागलिया 500
	एक सदगृहस्थ परिवार
500 ग्रा.बादाम	डॉ.अनिल जी, अपूर्व जी मेहता
	गुप्त नाम
	श्री मानसिंह जी नीताजी जैन
250 ग्राम काजु	श्री प्रकाशजी मालु की स्मृति में मालु परिवार
250 ग्राम किशमिश	आर्यमान, अवंतिका नागदा परिवार
	डॉ. धीरज जी, डॉ.तरुण गांधी परिवार
250 ग्राम चाय	अप्सरा चाय परिवार
1 कि. रवा	निर्मलजी कुमठ की स्मृति में श्रीमती उर्मिलाजी कुमठ
1 कि. मैदा	श्री बसंतकुमारजी मेहता परिवार
1 लीटर तेल	गुप्त नाम
250 ग्रा. चाय	श्रीमती शशिकला जी मदनलालजी रांका परिवार
1 कि.थूली	गुप्त नाम
1कि.पोहा	श्री अनिल जी, अमन जी, मनन जी बोहरा
1कि.बेसन	श्री राजेन्द्रसूरी चेरीटेबल ट्रस्ट, इन्दौर
1 कि.तुअरदाल	दमयंति बेन गुणवंतराय जी देसाई की स्मृति में
1कि. तुअरदाल	डॉ.प्रेमचंद जी इंदुबालाजी डागलिया
2कि.चावल	श्री विजयजी विनीत जी बेताला
500 ग्रा.काबुली चना	श्री हिम्मतसिंह जी लोकेश जी रामपुरिया
1नग खोपरा गोला	श्री छगनराज जी की स्मृति में
	दिनेशजी सतीश जी हुण्डिया
500 ग्रा.पिंड खजूर	श्री नरेन्द्रसिंह जी महेन्द्र जी बाफना
500 ग्रा.पिंड खजूर	श्री दिलीपजी सचिन जी सर्वेश जी सेक्रेटरी
1 कि.मुंग-चना पापड़	श्री राजेन्द्र जी अमित जी लुनिया
200 ग्राम जीरा	श्री प्रकाशजी शैलेन्द्रजी नाहर (अंकिता श्री)
1 कि.आंवला मुरब्बा	स्व.लीलाबाई पारसमली जी डांगी परिवार
	श्री मोहनलाल जी मूलचंद जी चौरड़िया परिवार
500 ग्र. मिर्ची	
500 ग्रा.हल्दी	श्री लाभचंद जी महेन्द्रजी सुरेन्द्र जी सुराणा
500 ग्रा. धनिया	श्री रमेशजी सविता जी कावेड़िया परिवार, पूना
100 ग्रा. जीरावन	
1बाल्टी,मग, स्टूल	गुलाबचंद जी चौरड़िया की स्मृति में चौरड़िया परिवार
1 कम्बल	गुप्त नाम
	श्रीमती सुशीलाबेन धारीवाल परिवार
1चादर	श्री सुशीलजी विनय जी यश जी कुमठ
1 स्टील डब्बा	श्री देवेन्द्रजी दासोत की स्मृति में शोभनादेवी दासोत
4 स्टील ग्लास	श्री हेमराजजी सुराणा, इन्दौर-चेन्नई
2 पीस स्टील बाउल	श्री आर.सी.जैन सा. परिवार
1 टॉवेल	शांतिलालजी चमेलीदेवी बोहरा की स्मृति में
2 नेपकीन	श्री सिद्धार्थ जी-नमिता जी,सार्थक, समर्थ गोपावत
200/रू.नगद	श्री राजेश जी किशोर जी चेलावत परिवार (अग्निबाण)
200/रू.नगद	श्री विपिनजी, प्रिंयका, महक, श्रेयांस कोचर
200/रू.नगद	श्री मदनलालजी प्रवीण जी विक्रमजी मुकेशजी लुंकड़
200/रू.नगद	श्री आनंदीलाल जी लोढ़ा (राजा बाबू) परिवार
200/रू.नगद	श्री कान्तीलालजी अभय जी जैन
200/रू.नगद	श्री हिम्मत भाई क्लपकजी गांधी
150/रू नगद	श्रीमती सुमंगलाजी राजेन्द्र जी वैभव जी जैन
100/रू नगद	श्री सुशील जी दिनेश जी छाजेड़
100/रू.नगद	श्रीमती विजयाबाई मनोहरलाल जी जैन
100/रू.नगद	संघवी मनोहरलालजी दीपक जी नक्ष सुराणा
100/रू.नगद	श्रीमती सुगनबाई गेंदालालजी तांतेड़
100/रू.नगद	श्री दिलीप जी ललित जी सी.जैन परिवार
100/रू.नगद	श्री समरथ जी जैनावल परिवार
	श्रीमती पुष्पा जी हेमन्त जी जैन परिवार
100/रू.नगद	श्री विमलजी मायाजी नाहर
100/रू.नगद	श्री अशोक जी अंकुर जी बाफना
100/रू.नगद	श्री सजनलाल जी प्रमोद जी सेठी
100/रू.नगद	श्रीमती निर्मलादेवी पारसमलजी कटारिया
100/रू.नगद	श्री अजयजी मधुजी जैन देवासवाला
100/रू.नगद	श्री प्रकाशजी-कांताजी भटेवरा परिवार
100/रू.नगद	श्री प्रदीपजी-नेहाजी, प्रनेह-आयुषी, दियान चौरड़िया
100/रू.नगद	श्री प्रभातकुमार जी प्रेमलता जी बांठिया
100/रू.नगद	संजीवजी नाहर की स्मृति में राजीव जी नाहर
100/रू.नगद	श्री सुरेशजी सौरभ जी अनूप जी डोसी
100/रू.नगद	श्री जिनेन्द्र जी राकेश जी देवेन्द्र जी मानावत
100/रू,नगद	सी.एस, अजीत जी-संगीता जी, गौतम जी जैन
100/रू,नगद	श्री विजय जी-पुष्पा जी रोहित जी रोहन जी मेहता
100/रू.नगद	श्री रवि जी-सरोज जी,
	स्वप्निल जी दिव्यादित्य जी कोठारी
100/रू. नगद	रतनदेवी, शैलेश जी-नमृता जी, रिषभ जी बोकड़िया
50/रू. नगद	सुरेन्द्र जी पी.मेहता परिवार
50/रू.नगद	श्री श्रीपाल जी अनित जी सकलेचा
50/रू. नगद	श्री जोधराज जी शारदा देवी लोढ़ा
50/रू.नगद	महेन्द्र नमकीन परिवार
50/रू.नगद	श्री हरीशजी शुभम जी अपूर्व जी जिन्दाणी
50/रू.नगद	पुष्पा जी श्रेणिक जी पारख, मुम्बई
50/रू.नगद	प्रमोदजी-ममता जी चौरड़िया परिवार
50/रू.नगद	श्री इन्दरमलजी नाथुलाल जी कोलड़
50/रू. नगद	श्रीमती स्नेहलताजी सुरेन्द्रकुमार जी कोलड़
50/रू.नगद	श्री श्रेणिक जी भाविकजी धार्विक जी मेहता
50/रू.नगद	भावनाजी जैन परिवार
50/रू.नगद	मंजुलाबेन डूंगरसी भाईशाह
4200/रू.नगद	

दीपावली मिठाई-नमकीन वितरण - 5 नवम्बर 2026

1. कि. मिठाई (शुद्ध घी)	श्री चित्रेशजी सुरेन्द्रजी मेहता परिवार
5 किलो शक्कर	लुणावत परिवार इंदौर - बामनिया
2.5 किलो शक्कर	डॉ. प्रेमचंदजी इंदुबालाजी डागलिया परिवार
2.5 किलो शक्कर	श्री प्रफुल्लजी प्रारब्धजी सकलेचा परिवार
	श्री मिलापजी सुयोग जी पारख परिवार
500 ग्रा. भूरे कोला पेठा	कांतादेवी, रितेशजी, शीतलजी कटकानी परिवार
400 ग्राम ग्लेब पेठा	तेजप्रकाशजी की स्मृति में श्रीमती सुषमाजी जौहरी
400 ग्रा. नमकीन	श्री अनिल जी सुनील जी राखेचा परिवार
250 ग्रा. नमकीन	महेन्द्र नमकीन परिवार
200 ग्रा. मिक्चर	मिश्री स्वीट्स परिवार
250 ग्राम. नमकीन पेठा	श्री शशिकांतजी सुभद्राजी, आशीषजी सकलेचा परिवार
200 ग्राम मठरी	गुप्त नाम
1 नग नारियल	श्री अनिलजी पदमा जी भोजे परिवार

श्री जैन सेवा समिति श्वे.इन्दौर द्वारा दीपावली सामान वितरण एवं स्नेह मिलन

महावीर बाग इन्दौर में दिनांक 17 अक्टूबर 2026 को श्री जैन सेवा समिति द्वारा साधार्मिक परिवारों को सामान वितरण एवं स्नेह भोज का कार्यक्रम किया गया।

स्नेहभोज के लाभार्थी श्रीमती बादलदेवी टोडरमल जी कटारिया दिलसुखराज जी खूबचन्द जी, ज्ञानचन्दजी, कैलाश जी कटारिया परिवार के प्रति समिति ने हृदय से धन्यवाद देते हुए आभार प्रकट किया।











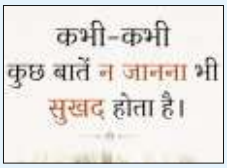


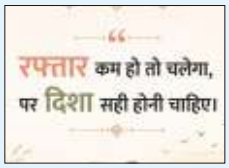
कंचनबाग-प्रतिष्ठा मुहुर्त प्रदान




इन्दौर। श्री नीलवर्णा पार्श्वनाथ प्रभु एवं सभी प्रतिमा जी का प्रवेश, प्रतिष्ठा मुहुर्त प्रतिष्ठा निश्रादाता गच्छाधिपति पू. आचार्य श्री नरदेव सागर सूरीश्वर जी म.सा. द्वारा प्रदान किया गया। प्रभु प्रवेश माह सुदी 9 सोमवार 15-2-2027 प्रभु प्रतिष्ठा फागुनसुदी 3 गुरुवार 11-3-2027।

इंदौर। महावीर नगर स्थानक में श्री अरुण मुनिजी म.सा. की निश्रा में श्री जयन्तिलाल जी भंडारी ने जैन प्रतीक का विमोचन किया।










शुभ दीपावली

जैन विधिनुसार दीपावली पूजन




पूजन विधि

1. शुभ मुहूर्त में चित्र, नई बहियाँ, कलम, दवात को चौकी पर पूर्व या उत्तर दिशा की ओर स्थापित करना चाहिए।
2. पाटे के दाहिनी ओर घी का दीपक एवं बाई ओर धूप या अगरबत्ती।
3. पूजन करने वाला तीन नवकार गिनते हुए कलाई में मौली (लच्छा) बाँधे।
4. नई बही के प्रथम पाने में सर्वप्रथम - ऊँ ह्रीं अर्हम् नमः' लिखना चाहिए। फिर 1 से लेकर 9 लकीरों में 1 'श्री' प्रारंभ करके क्रमशः 9 'श्री' लिखना, इसमें 'श्री' शिखर बन जावेगा। उसके नीचे रोली कुंकुम का स्वस्तिक बनावें, फिर उसके दाहिने 'श्री' शुभ और बाँये, 'श्री लाभ लिखें जैसे -

श्री
श्री श्री
श्री श्री श्री
श्री श्री श्री श्री
श्री श्री श्री श्री श्री
श्री श्री श्री श्री श्री श्री
श्री श्री श्री श्री श्री श्री श्री
श्री श्री श्री श्री श्री श्री श्री श्री

श्री शुभ **श्री लाभ**

श्री पार्श्वनाथाय नमः, श्री गुरुभ्यो नमः, श्री गौतमस्वामी की लब्धि होजो, श्री भरत चक्रवर्ती की ऋद्धि हो जो, श्री अभयकुमार बुद्धि हो जो, कवयवन्ना सेठ का सौभाग्य हो जो, श्री धन्ना शालीभद्र की सम्पत्ति हो जो, श्री बाहुबली जैसा बल हो जो तथा श्री श्रेयांसकुमार जी जैसी दानवृत्ति प्राप्त हो।

फिर श्री वीर संवत् .....विक्रम संवत्..... मिति....वार.....और तारीख लिखें। फिर स्वास्तिक पर नागरबेल का अखण्ड पान, सुपारी, लौंग, इलायची रख दें। जल की धारा बही के चारों ओर देकर वासक्षेप, अक्षता पुष्प मिश्रित कुसुमांजलि हाथ में लेकर नीचे लिखे श्लोक और मंत्र पढ़े।

मंगलम् भगवान् वीरो, मंगलम् गौतम प्रभु।
मंगलम् स्थूलीभद्राद्या, जैन धर्मोस्तु मंगलम्।।

मंत्र : ॐ आर्यावर्ते अस्मिन् जम्बू, द्वीपे दक्षिणार्द्ध भरत क्षेत्रे.... प्रदेशे.... नगरे ममगृहे श्री शारदादेवी श्री लक्ष्मीदेवी, आगच्छ आगच्छ तिष्ठ-तिष्ठ स्वाहा। यह कहकर हाथ में ली गई कुसुमांजलि चढ़ा देवें। फिर ऐसा पढ़ें-

स्तुति

स्वं श्रीयं श्रीमद्ऽर्हन्तः सिद्धाः सिद्धपुरीपदम्।
आचार्याः पंचधाचारं वाचक वाचनावराम्।।
साधवः सिद्धिसाहाम्य वितवन्तु, विवेकिनाम्।
मंगलानां च सर्वेषां, आद्य भवति मंगलम्।
अर्हं मित्थर माया बींज, व प्रणवाक्षरम्।
एवं नाना स्वरूप च, ध्येय ध्यायन्ति योगिनः।।
हृत्पदस्न षोडशदल, स्थापितं षोडसाक्षरम्।
परमोष्ठिस्तुते बीजं ध्यायेदक्षरदं मुद्रा।
मंत्रंणां मादिमं मंत्र तत्र विग्नौध निग्रहे।
ये स्मरंति सदैवेनं ते भवन्ति जिन प्रभाः।।

5. फिर नीचे लिखा मंत्र पढ़कर आठ बार द्रव्य पूजन करना चाहिए। आठद्रव्यों के नाम हैं - जल, चंदन, पुष्प, धूप, दीप, अक्षत, नैवेद्य और फल।

ॐ ह्रीं श्रीं भगवत्यै केवल ज्ञान स्वरूपायै,
लोका लोक प्रकाशिकायै सरस्वत्यै,
लक्षयं जल समर्पयामि स्वाहाः।।

6. इसके पश्चात् जितने पूजक मौजूद हों, सब खड़े होकर हाथ जोड़कर नीचे लिखा स्त्रोत पढ़ें।

सरस्वती स्तोत्र

सकल लोक सुसेवित पतकजा, वर यशोर्जित शारद कौमदी।
निखिल कल्मष नाशन तत्परा, जयतु सा जगतां जननी सदा।।1।।
कमल गर्भ विराजितं भूधना, मणिकिरीट सुशोभित मस्तका।
कनक मुण्डल भूषित कर्णिका, जयतु सा जगतां जननी सदा।।2।।
वसु हरिद्गज सन्स्नपितेश्वरी, विधृत सोमकला जगदीश्वरी,
जलज पत्र समान विलोचना, जयतु सा जगतां जननी सदा।।3।।
निज सुधैर्य जितामर भूधरा, निहित पुष्करा वृन्दल सत्करा।
समदितांक सद्दक्तनु बल्लिका, जयतु सा जगतां जननी सदा।।4।।
विधि वाँछित कामदुधाद् भुना विकद् पद्म हृदान्तर वासिनी।
सुमतिसागर वर्धन चन्द्रिका, जयतु सा जगतां जननी सदा।।5।।

श्री लक्ष्मी स्त्रोत

नमोस्तुतै महालक्ष्मी, महासौख्य प्रदायिनी।
सर्वदे देही में द्रव्य, दानाय मुक्ति हेवते।।1।।
धन धान्य धरां हर्ष, कीर्तिमायुर्वश श्रियम्।
तुरंगान दन्तिन पुत्रान, महालक्ष्मी प्रयच्छमे।।2।।
यन्मया वांछित देवी, तत्सर्व सफल कुरु।
न बाध्यन्ता कुकर्माणी, संकटान्मे निवारय।।3।।

दोहा

सुन्दर आरोग्य, निवास करे दृढ़ तन में,
उत्कृष्ण उच्च आदर्श, जगे जीवन में,
हो अनुचित योग प्रयोग, न धन साधन में।
उत्कृष्ट उच्च आदर्श, जगे जीवन में।।
तम मिटे, ज्ञान की ज्योति, जगत में छाए।
प्रभु! दिव्य दिवाली भव्य भाव भर जाए।

7. एक थाली में दीपक और पान के अखण्ड पत्ते पर कपूर बट्टी रखकर आरती उतारें।

सरस्वती आरती

सकल जिनन्दा नमी करी, जिनवाणी मन लाय।
सरस्वती लक्ष्मी करूँ आरती, आतम सुगरुपसाय।।1।।
ज्ञान जगत में सार है, ज्ञान परम हितकार।
ज्ञान सूर्य से होत है, दुरति तिमिर अपहार।।2।।
श्री सरस्वती प्रभाव से, लहे जगत सम्मान।
ज्ञान बिना पशु सरिखा, पावे अति अपमान।।3।।
श्रद्धा मूल क्रिया कहीं, ज्ञान मूल है तास।
पावे शिव सुख आत्मा, इससे अविचल वास।।4।।
अष्टपद विंशति पदे, सप्तम नवपद ज्ञान।
तीर्थंकर पदवी लहे, आराधक भगवान।।5।।

लक्ष्मी आरती

ओम जय लक्ष्मी माता, मैया जय लक्ष्मी माता,
तुमको निशदिन ध्यावत हर विष्णु धाता।

अन्तरा

उमा रमा ब्रह्माणी, तुमम ही जग माता।
सूर्य चन्द्रमा ध्यावत, नारद ऋषि गाता। ओम...।।
दुर्गा रूप निरंजनि, सुख सम्पत्ति दाता।
जो कोई तुमको ध्यावत, ऋषि-सिद्धि पाता। ओम...।।
तुम पाताल निवासिनी, तुम ही शिवदाता।
कर्म प्रभाव प्रकाशिनी, भवनिधि की त्राता।
जिस घर में तूँ रहती, तहँ सद्गुण आता।
सब सम्भव हो जाता, मन नहीं घबराता।। ओम...।।
तुम बिन यज्ञ न होते, वस्त्र न हो पाता।
खान-पान का वैभव, सब तुमसे आता।।ओम...।।
शुभ गुण मंदिर सुन्दर, क्षीरोदधि जाता।
रत्न चतुर्दशी तुम बिन, कोई नहीं पाता।।ओम...।।
लक्ष्मीजी की आरती, जो कोई नर गाता।
उर आनन्द समाता, पाप उतर जाता।।ओम...।।

गौतम अष्टक

अंगूठे अमृत बसे लब्धि तणा भण्डार।
ते गुरु गौतम समरिये, वांछित फल दातार।।1।।
प्रभु वचने त्रिपदी लही, सूत्र रचे तेणीवार।
चउदह पूरब मा रचे, लोकालोका विचार।।2।।
भगवती सूत्रे करनमी, बंभि लिपि जयकार।
लोक लोकांतर सुख भणी, वाणी लिपि अढ़ार।।3।।
वीर प्रभु सुखया थया, दीवाली दिन सार।
अन्तर महुरत तत्क्षण, सुखिया सहु संसार।।4।।
केवलज्ञान लहे सदा, श्री गौतम गणधार।
सुरनर पर्षदा आगले, षट् अभिषेक उदार।।5।।
सुरनर पर्षदा आगेल, भाखे श्री श्रुतनाण।
नाण थके जग जाणिए, द्रव्यदिक चौठाण।।6।।
ते श्रुतज्ञान ने पूजिए, दीप धूप मनोहार।
वीर आगम अविचल रहो, वर्ष एक बीस हजार।।7।।
गुरु गौतम अष्टक कहीं, वाणी हर्ष उल्लास।
भाव धरी जे समरसे, पूरे सरस्वती आश।।8।।

9 उपरोक्त गौतम अष्टक बोले के पश्चात् में पूर्व या उत्तर दिशा सम्मुख होकर धूप दीप करके एकाग्रचित से निम्नलिखित सरस्वती मंत्री की एक, तीन अथवा पाँच मालाएँ जैसा समय हो गिनना चाहिए।

सरस्वती मंत्र

10. इस मंत्र का जाप करने के बाद पूजन में अज्ञानतावश दोष लगा हो उसके लिए निम्नलिखित श्लोक पढ़ते हुए देवी से क्षमायाचना करनी चाहिए।

क्षमायाचना

आज्ञाहीनं क्रियाहीनं, मंत्रहींन चयत्कृतम्।
तत्सर्वे क्षम्यतां देवी, प्रसीद परमेश्वरी।।1।।
आह्वानं नैव जानामि, न जानामि विसर्जनम्।
पूजार्चा नैव जानामि, क्षमस्य परमेश्वरी।।2।।
अपराध सहस्त्राणि, क्रियन्ते नित्यशो मयः।
तत्सर्वे क्षम्यतां देवी, प्रसीदा परमेश्वरी।।3।।

इन श्लोकों द्वारा क्षमायाचना कर पूजन विधि, सम्पूर्ण विधि सम्पूर्ण हुई समझकर, पटाखों का त्याग करें तथा अनाथ, अपंग, निराश्रित ऐसे चायकों को यथाशक्ति द्रव्यादिक दान देना चाहिए, पूजन आदि में चढ़ाया रूपया आदि ज्ञान कार्य में ही लगावें।

दीपावली का जाप

1. **ॐ ह्रीं श्रीं महावीर स्वामी सर्वज्ञाय नमः।**
इस मंत्र की बीस माला रात के चार बेज से पहले पूरी कर लेनी चाहिए।
2. **ॐ ह्रीं श्री महावीर स्वामी पारंगताय नमः।**
इस मंत्र की बीस माला रात के चार बजे से पहले पूरी कर लेनी चाहिए।
3. **ॐ ह्रीं श्रीं गौतम स्वामी केवलज्ञानाय नमः।**
इस जाप की बीस माला सूर्योदय से पहले करना चाहिए।
इसके बाद मंदिर के दर्शन चैत्यवन्दन एवं लाडू चढ़ाने आदि की विधि पूरी करें। तत्पश्चात् गुरुदेव को वन्दन करें तथा उनके मुखारविंद से श्री गौतम-रासा का एकाग्रतापूर्वक श्रवण करें।

जैन प्रतीक धार्मिक ज्ञानोत्तरी प्रतियोगिता 2026

प्रायोजक : धर्मनिष्ठ सुश्रावक श्री मनोहरलाल जैन व श्रीमति मोहनदेवी जैन परिवार सेमलिया जी तीर्थ वाले ।

प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार पाने वालों के नाम

प्रथम पुरस्कार

क्र.	नाम	अंक	शहर
01.	डेविड जैन	98	इन्दौर
02.	श्रीमति प्रभा जैन	98	देवास
03.	श्रीमति आभा सिसोदिया	98	इन्दौर
04.	श्रीमति उषा जैन	98	इन्दौर
05.	श्रीमति रेखा जैन	98	इन्दौर
06.	श्रीमति चन्द्रकला रुजवाल	98	धुलिया
07.	श्रीमति शिल्पा सुराना	98	जलगाँव
08.	श्रीमति लता जैन	98	कोंडवा रोड़
09.	श्रीमति "राजुल कोठारी"	98	धुलिया
10.	श्रीमति राखी सुराणा	98	जलगाँव

द्वितीय पुरस्कार

2.	श्रीमती कुसुम जैन	97	इन्दौर
3.	श्रीमती प्रीति जैन	97	इन्दौर
4.	श्रीमती रितु जैन	97	इन्दौर
5.	श्रीमती सरोज रुणवाल	97	धुलिया
6.	शोभा कोठारी	97	धुलिया

तृतीय पुरस्कार

6.	श्रीमती सुरभि जैन	96	इन्दौर
7.	श्रीमती विद्या संघवी	96	बदनावर
8.	श्रीमति सपना कोठारी	96	बुलठाणा
9.	श्रीमती बिन्दु जैन	96	रतलाम
10.	श्रीमती स्नेहलता चौधरी	96	इन्दौर
11.	श्रीमती वीरगति चौधरी	96	इन्दौर
12.	श्रीमती वंदना मेहता	95	इन्दौर
13.	श्रीमती निर्मला कटारिया	95	इन्दौर
14.	श्रीमती सुशीला धोका	95	इन्दौर

सांत्वना पुरस्कार

15.	श्रीमती अशोक मेहता	94	कोलकाता
16.	श्रीमती शशी तिलगोता	94	इन्दौर
17.	श्रीमती प्रियंका जैन	93	इन्दौर
18.	श्रीमती मणिकांता जैन	93	इन्दौर
19.	श्रीमती भारती गोखरू	92	इंदौर
20.	श्रीमती मंजुला फाफरिया	92	नलखेड़ा
21.	श्रीमती अर्चना फाफरिया	92	इन्दौर
22.	श्रीमती अरूणा मट्ठा	92	इन्दौर

अन्य प्रतियोगी

30.	श्रीमती तारा जैन	90	इन्दौर
31.	श्रीमती निर्मला जैन	90	इन्दौर
32.	श्रीमती कोमल लुंकड़	90	भोपाल
33.	श्री अनिल भसांती	90	मुंबई
34.	श्रीमती सोनाली जैन	88	इन्दौर
35.	श्रीमति डॉली तातेड़	88	इन्दौर
36.	श्रीमती चन्द्रा धडा	88	जयपुर
37.	श्रीमती मंजुला दासोत	87	इन्दौर
38.	श्रीमती पदमादेवी बोथरा	85	मुल्ताई
39.	श्रीमती मोना मेहता	85	इन्दौर
40.	श्रीमति सुधा चौरड़िया	84	इन्दौर
41.	श्रीमती मंगला जैन	83	देवास
42.	श्रीमती वापा जैन	80	इन्दौर
43.	श्रीमती सुधा जैन	80	देवास
44.	श्रीमती ज्ञानजी बाफना	80	इन्दौर
45.	श्रीमती इन्दु गोखरू	80	रतलाम
46.	श्रीमती मधु गांग	78	इन्दौर
47.	श्रीमती रंजना जैन	73	इन्दौर
48.	श्रीमती विनिता लोढ़ा	58	रतलाम
49.	श्रीमती अनिता जैन	50	इन्दौर

स्वाध्याय का नन्दन वन-जैन प्रतीक

अध्यात्म ही मानव जीवन का सार है । अध्यात्म का अर्थ है आत्मा का विकास । आत्म कल्याणकारी सद्ग्रन्थों का पठन करना, धार्मिक प्रश्न पूछना, साधु द्वारा धर्म की जिनवाणी सुनाना और हमे सुनना आदि स्वाध्याय है । आत्मकल्याण हेतु स्वाध्यय एक अद्वितीय तप है, स्वाध्याय हजारो वर्षो के मनन का मक्खन देता है । यह तो वाणी का तप है, जैन प्रतीक पुस्तक माला भी स्वाध्याय का 'नंदनवन' है जिसमें कई विचारो के फूल मिलते है, तो कई आचारो के मधुर फल दिखाई देते है, प्रतियोगिता में भाग लेने वालो का बहुत बहुत धन्यवाद करते है, आप सभी का प्रयास बहुत सराहनीय है । धन्यवाद ।

संगीता जैन

जैन प्रतीक धार्मिक ज्ञानोत्तरी प्रतियोगिता 2026-सही उत्तर

खण्ड : अ **अंक : 35**

सही विकल्प चुनियें (✓)

प्र. 1 अरिहंत सिद्ध आयरिय उवज्झाय साहू ये सोलह अक्षर का कितनी बार जाप करने से उपवास का फल मिलता है। (अ) दो सौ उपवास

प्र. 2 भरत क्षेत्र में जब कुंथुनाथ जी का शासन था, जब कौन से तीर्थंकर का जन्म हुआ ? (ब) भ.श्री.सीमंधर स्वामी

प्र. 3 किन तीर्थंकर के लांछन के शरीर में कांटे होते है ? (स) अनन्तनाथ जी

प्र. 4 सिद्ध भगवान को किस कर्म के सम्पूर्ण क्षय होने से अव्याबाध सुख की प्राप्ति होती है ? (स) वेदनीय कार्य

प्र. 5 अहिच्छत्र वन में किस तीर्थंकर को देव ने उपसर्ग दिया ? (स) भ.पारसनाथ जी

प्र. 6 पूर्वघातकी खण्ड के भरत क्षेत्र के भूतकालीन चौबीसी के सातवें तीर्थंकर कौन थे ? (ब) तत्वनाथ जी

प्र. 7 किससे चक्रवर्ती को अस्त्र-शस्त्र की प्राप्ति होती है ? (अ) माणक्क निधि

प्र. 8 शास्त्र में निगोद किन जीवो को कहाँ गया है ? (स) सूक्ष्मसाधारण वनस्पति

प्र. 9 रोगों की खान कौन सा शरीर कहा गया है ? (ब) औदारिक शरीर

प्र. 10 भ.महावीर की पार परम्परा में कितने आचार्य चौदह पूर्वधारी थे ? (अ) सात

प्र. 11 प्रात: रागी, दिन में वैरागी संध्या में वीतरागी बने ऐसे गजसूकूमाल मुनि किन वासुदेव के भाई थे ? (ब) श्री कृष्ण वासुदेव

प्र. 12 पृथ्वीकाय, अपकाय, तेउकाय, वायुकाय का एक नाम क्या है ? (अ) सत्व

प्र. 13 पढ़े हुए सूत्र और अर्थ को गुनते रहना या बार-बार फेरना क्या कहलाता है ? (स) परिवर्तना

प्र. 14 बड़ी साधु वन्दना में जिन महापुरुष एवं महासतियो का वर्णन किया गया है, उनमें से कितने जीव मोक्ष गए ? (स) 174

प्र. 15 किस गुणस्थान में रही हुई आत्मा को अर्हम, अरिहंत या जिनेश्वर कहा जाता है ? (स) सयोगी केवली गुणस्थान

प्र. 16 नवकार महामंत्र प्रथमबार किस आगम के लिपिबद्ध मिलता है ? (ब) व्याख्या प्रज्ञप्ति

प्र. 17 किस व्रत में 22 अभक्ष्य, 15 कमीदान, 32 अनतंकाय का त्याग किया जाता है ? (ब) भोग-उपभोग परिमाण व्रत

प्र. 18 प्रज्ञापना आगम के रचयिता कौन है ? (अ) श्यामाचार्य

प्र. 19 पचण्हमणुव्याणं, गुणव्ययाण च तिण्हमइयारे। सिक्खाणं च चउण्हं, पडिक्कमे देवसिद्धं सव्वं॥ इस सूत्र में कितने व्रत बताये गये है ? (स) 12 व्रत

प्र. 20 तारगां जी तीर्थ के मुलनायक श्री अजितनाथ जी की प्राण प्रतिष्ठा किन आचार्य के द्वारा हुई ? (ब) आ.सोमसुंदर सूरि जी

प्र. 21 अभिनिबोधक ज्ञान किस ज्ञान का दूसरा नाम बताया है ? (स) मतिज्ञान

प्र. 22 मरुदेवी माता से जम्बुस्वामी के बीच कितनी आत्मा मोक्ष गई है ? (स) अनन्ता

प्र. 23 उत्तराध्ययन शास्त्र में किससे करोड़ो भवो के संचित कर्मो का क्षय होना बताया है ? (अ) तप

प्र. 24 कौन से जीव मात्र शरीर से श्वास और आहार ग्रहण करते है ? (अ) एकेन्द्रिय जीव

प्र. 25 बत्तीस हजार राजाओं ने बारह वर्ष तक किस चक्रवर्ती का अभिषेक किया ?

(ब) सनत चक्रवर्ती

प्र. 26 45 दिन नवकारसी करने से कितने उपवास का लाभ मिलता है ? (अ) एक उपवास

प्र. 27 जो कम क्रोध, मान , माया, लोभ करता है, शांत चित्त वाला तथा संयम ग्रहण के भाव रखने वाला जीव कौन सी लेश्या वाला होता है ? (ब) पदमलेश्या

प्र. 28 पाँचवाँ आरा पूर्ण हो जायेगा फिर भी किस जीव का आयु पूर्ण नही होगा ? (स) पृथ्वीकाय

प्र. 29 शालीभद्र सेठ ने पूर्वभव में किस चीज का दान किया था ? (ब) खीर का

प्र. 30 किसने अपनी माता से कहा था कि ''तुम्हारे पुण्य निमित्त मैं करोड़ बार नमस्कार मंत्र का जाप करूँगा ''? (ब) आचार्य हेमचन्द्र सूरि

प्र. 31 आश्रव से आत्मा में क्या होता है ? (अ) पापों का बंध

प्र. 32 वह कौन है जिनका आयुष्य ज्यादा होता है और शरीर छोटा होता है ? (अ) सवार्थसिद्ध विमान देव

प्र. 33 मौर्य सम्राट चन्द्रगुप्त किनके भक्त थे ? (ब) आ.भद्रबाहुस्वामी

प्र. 34 शरीर के ममत्व की आसक्ति को तोड़ने का उपाय क्या है ? (अ) अशुचि भावना

प्र. 35 जाति, कुल आदि का मद करना कौन सा कर्म है ? (ब) गौत्र कर्म

खण्ड ब **अंक 10**

मुझे पहचानो ?

प्र. 1 मैं एक तीर्थंकर का दादा भी था और नाना भी था ? उ. मरूदेव

प्र. 2 मेरा उत्सव मनाने की प्रथा सर्वप्रथम लोकमान्य तिलक जी शुरु की थी ? उ. गणेशोत्सव

प्र. 3 महावीर प्रभु के अंतिमक्षण के रत्नजड़ित है बोल, बतलाओ वह क्या है अनमोल ? उ. उत्तराध्ययन सूत्र

प्र. 4 जहा लाहो तहा लोहो, बार-बार धिक्कारा मन को, पाँच सौ चोर को संयम दिलाया, बोलो यह किसने सिद्ध किया ? उ. कपिल केवली

प्र. 5 छोटा सा निमित्त मिला इनको, आत्मबोध का ज्ञान हुआ ब्राह्मण रुप इन्द्र भी हारा, प्रश्न-प्रश्न बेकार हुआ ? उ. नमीराजर्षि

प्र. 6 चलते-फिरते है नदी की तरह, पर हर जगह पूजे जाते है तीर्थंकर की तरह ? उ. साधु-साध्वी

प्र. 7 मैं आत्मा को सत्य-असत्य के बीच झूलाने वाला गुणस्थान हूँ ? उ. मिश्र गुणस्थान

प्र. 8 हम दोनो भाडवा के पहाड़ से मोक्ष गये थे ? उ. शांब-प्रद्युम्न

प्र. 9 मैं 84 लाख योनि में रहे जीवों का क्षमापना सूत्र हूं ? उ. सात लाख

प्र. 10 मैंने अपने पति से कहाँ था कि ब्राह्माण द्वारा छोड़ा धन उसे तुम ले रहे हो, तथा तुम्हारी तृष्णा तो सारी दुनिया का धन मिल जाये तो भी शांत नही हो सकेगी ? उ. क़मलावती ने इषुकारजी को

खण्ड स **अंक 10**

प्र. रिक्त स्थान :- उचित शब्द भरिये -

प्र. 1 रोगी, दीन, अनाथ, अंधा ऐसे दुखी को दान देना **अनुकंपा** दान कहलाता है ।

प्र. 2 मृत्यु की शाश्वत सत्यता को जानते हुए भी मृत्यु उपस्थित होने पर उसे अस्वीकार करना **अकाम मरण** कहलाता है।

प्र. 3 मक्खी, मच्छर, भंवरा आदि **चउरिन्द्रिय** जीव है।

प्र. 4 असंख्य नरक भव, असंख्य देव भव व तिर्य च के अनंत भवों के बराबर **एक मनुष्य भव** है।

प्र. 5 **दर्शन मोहनीय कर्म** का उदय होने से धर्म पर श्रद्धा नहीं होती।

प्र. 6 जो आत्मा को पवित्र करे, शुभ फल देवे उसे **पुण्य** कहते है।

प्र. 7 स्वाद के लिये उपर से नमक नही डालना **रस परित्याग** कहलाता है।

प्र. 8 शरीर की रचना **नाम** कर्म से होती है।

प्र. 9 रोने धोने से **आर्त** ध्यान होता है।

प्र. 10 सरयू नदी के तट पर **लक्ष्मण** वासुदेव का अग्नि संस्कार हुआ था।

खण्ड (द) **अंक 10**

प्र. अंको में उत्तर दीजिये -

प्र. 1 सिद्ध भगवान हम सब से कितने राजलोक ऊपर है ? उ. 7 राजलोक में 900 योजन न्यून

प्र. 2 वीर संवत और विक्रम संवत के बीच कितने साल का अंतर है ? उ. 470

प्र. 3 उवस्सग्गहरं स्तोत्र के कुल कितने अक्षर है ? उ. 185

प्र. 4 भगवद् गीता के कुल कितने अध्याय है ? उ. 18

प्र. 5 ज्योतिष देव कितने है ? उ. 5

प्र.6 भगवान महावीर के शासन में केवलज्ञानी साध्वी कितनी थी ? उ. 1400

प्र. 7 समिति कितनी होती है ? उ. 5

प्र. 8 सामायिक में कितने प्रकार की शुद्धि आवश्यक है ? उ. 7

प्र. 9 नवकार मंत्र की प्रतिदिन एक माला फेरने वाला 25 वर्ष में कितने लाख जप पूर्ण करता है ? उ. 9,00,000

प्र. 10 संस्थान के कितने प्रकार है ? उ. 6

खण्ड (इ) **अंक 20**

प्र. अंताक्षरी :- सभी प्रश्नों के उत्तर पूर्व वाले प्रश्न के उत्तर के अंतिम अक्षर से देना है ?

प्र. 1 संवत 1360 में शील रक्षा के लिये किस सति ने अग्नि स्नान किया **पद्मिनी सती** ?

प्र. 2 पानी की छूट कौन से पच्चक्खाण में रखी जाती **तिविहार** ?

प्र. 3 संयम जीवन की पहचान का ब्राह्मय चिन्ह क्या है **रजोहरण**?

प्र. 4 पौन दर्जन और पान भ. पार्श्वनाथ के 108 नाम में से एक नाम **नवपल्लव** ?

प्र.5 श्री नमस्कार महामंत्र के 'मंगलाणं च' पद से कौन सी सिद्धि मिलती है **वशित्व** ?

प्र. 6 सौराष्ट के तीर्थ का एक नाम **वल्लभीपुर** ?

प्र. 7 भारत में सर्वप्रथम साहित्य का नोबल पुरस्कार के विजेता **रविन्द्रनाथ टैगोर** ?

प्र. 8 एक अकर्मभूमि का नाम **रम्यक्वास** ?

प्र. 9 इन्होनें प्रभु भक्ति के चलते अपने प्राणों की आहुति दी थी **सर्वानुभूति** ?

प्र. 10 हम मनुष्यों के साथ रहते है, फिर भी विवेक के कारण मनुष्य हमसे श्रेष्ठ माने जाते है **तिर्यंच पंचेन्द्रिय** ?

प्र. 11 वर्धमान कुमार (महावीर) मेरे ससुर के भाई के भतीजे होते है-बताइये यह कौन है **यशोदा** ?

प्र. 12 दान की वस्तु होने पर भी दान न दे सके तो वह किस कर्म के कारण होता है **दानान्तराय** ?

प्र. 13 योग के सात प्रकारों में से एक **यम** ?

प्र. 14 वाराणसी में गंगा नदी स्थित 84 घाट में से एक प्रमुख घाट **मणिकर्णिका** ?

प्र. 15 कांति का जन्म त्रम्बावली में हुआ था, इसमें एक तीर्थ का नाम है **कात्रज** ?

प्र. 16 त्रिस्तुतिक संघ के शासन प्रभावक एक आचार्य **जयंतसेन सूरिजी** ?

प्र. 17 प्रभु आदिनाथ जी ने जिस भव में कुष्ठ रोगी मुनिराज का उपचार किया था, तब प्रभु का क्या नाम था **जीवानंद** ?

प्र. 18 एक जैन आगम **दशाश्रुतस्कंद** ?

प्र. 19 यह कायर का नहीं महावीर का पाट है। संथारे से डीगे शिष्य को किसने बोला था **धर्मदासजी** ?

प्र. 20 जो प्राणों को धारण करे, जिसमें चेतना है वह कहलाता है **जीव** ?

प्र. खण्ड (फ) A **अंक 5**

प्र. निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिये :-

प्र. 1 चार अघाती कर्म के नाम बताइये ? वेदनीय, आयु, नाम, गौत्र अघाति कर्म है।

प्र. 2 नमस्कार का स्मरण कितने लोक में होता है ? तीन लोक में

प्र. 3 क्षीण मोहनीय गुणस्थान किसे कहते है ? जब मोहनीय कर्म का सर्वथा क्षय हो जाता है, उस अवस्था को क्षीण मोहनीय गुणस्थान कहते है।

प्र. 4 इस लोक में 45 लाख योजन क्षेत्रफल की कितनी वस्तुएँ है ? अढ़ाई द्वीप, सिद्धशिला, उड्ढ विमान, सीमंतक नरकावास इषन्द्राग्भार पृथ्वी

प्र. 5 सोलह सतियों में कौन सी सती मोक्ष में व कौन सी सती देवलोक में गई ? ब्राह्मी, सुंदरी, चंदनबालाजी, राजमतीजी, पुष्पचूलाजी, कौशल्याजी, सुभद्राजी, शिवाजी, कुंती , मृगावलीजी, 10 मोक्ष में द्रोपदी जी, सीताजी, सुलसाजी, पद्मावती जी, प्रभावतीजी, दमंयतिजी-6 देवलोक में

खण्ड (फ) भाग B **अंक 8**

उचित जोड़ी मिलाइये।

1	संवेग	मोक्ष की अभिलाषा
2	हिरण्य	चाँदी के बर्तन, आभूषण आदि
3	काल प्रतिलेखना	स्वाध्याय काल में स्वाध्याय करना
4	निर्वेद	संसार से विरक्ति
5	सबसे बड़ा स्टेशन	शमशान
6	जुल्मी से जैन बने	वकंचूल
7	देवता	वैक्रिय शरीर
8	संवर्तक	वायुकाय

सफलता और खुशहाली के लिये क्रोध प्रबंधन जरूरी



डॉ. जयंतीलाल जी भंडारी

यकीनन इन दिनों क्रोध के बढ़ते खतरे और क्रोध प्रबंधन पर जहां एक ओर दुनिया के प्रमुख विश्वविद्यालयो के मनोवैज्ञानिक विभागो के द्वारा प्रस्तुत किए गए शोध अध्ययन निष्कर्षो को दुनिया के कोने-कोने में करोड़ो लोगो के द्वारा गंभीरतापूर्वक पढ़ा जा रहा है, वहीं दूसरी ओर इस विषय पर दुनिया के ख्याति प्राप्त वैज्ञानिकों और मनोवैज्ञानिकों के द्वारा लिखी गई पुस्तकों की सबसे अधिक बिक्री होते हुए दिखाई दे रही है।

उल्लेखनीय है कि दुनिया के प्रतिष्ठित हार्वर्ड, स्टैनफोर्ड और ऑक्सफोर्ड जैसे विश्वविद्यालयों के विभिन्न शोध अध्ययनों के अनुसार क्रोध एक तीव्र नकारात्मक भावना है, जो खतरे, अन्याय या इच्छा पूरी न होने पर पैदा होती है। क्रोध स्वाभिमान को ठेस पहुँचने, योजनाओं के बिगड़ने या असुरक्षा की भावना से उत्पन्न होता है।जहां क्रोध जहर की तरह है और मानसिक व शारीरिक स्वास्थय के लिये गंभीर खतरा है, वहीं क्रोध सफलता और खुशहाली में बाधक है।

हाल ही में विख्यात लेखक सैम पार्कर ने उनकी पुस्तक गुड एंगर में गुस्से को पूरी तरह दबाने के बजाय इसे 'पॉजिटिव अग्रेशन' यानी सकारात्मक ऊर्जा से बदलकर आत्म-सुधार और रचनात्मक बदलावों के लिये एक ईधन की तरह उपयोग करने का सुझाव दिया है।

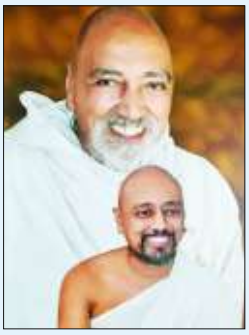
हमारे धार्मिक ग्रंथो में क्रोध को जीवन की सबसे बड़ी बुराई बताया गया है। जैन दर्शन में क्रोध को आत्मा का प्रमुख कषाय (विकार)माना गया है, जो विवेक और शांति का नाश करता है। इससे बचने और मन को शांत रखने के कई उपाय भी बताए गए है। इनमें दुर्व्यवहार मिलने पर भी मन को शांत रखना, क्रोध से होने वाले कर्म-बंधन को समझना, गलती होने पर क्षमा मांगना, णमोकार मंत्र जाप के साथ प्रतिक्रिया देने से पहले रूककर आत्म-चिंतन करना प्रमुख है। भगवान गौतम बुद्ध ने कहा था," क्रोध को पाले रखना जलता हुआ कोयला किसी दूसरे पर फेंकने की नीयत से हाथ में पकड़ने जैसा है; इसमें जलते आप स्वयं है।"

इन विभिन्न आधारों पर हम कह सकते है कि क्रोध सबसे पहले हमारी मानसिक शांति और प्रसन्नता को नुकसान पहुँचाता है। आवेश में आकर बोले गए शब्द या लिए गए निर्णय अक्सर पुराने और गहरे संबंधो को भी समाप्त कर देते है।

क्रोध से बचने का अर्थ यह बिल्कुल नही है कि व्यक्ति अन्याय या अनुचित व्यवहार को चुपचाप स्वीकार कर लें। अपनी सीमाएं निर्धारित करना, गलत बात को रोकना और अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाना आवश्यक है। ऐसी स्थिति में गुस्से से बचते हुए अच्छे शब्दों और मीठी वाणी का उपयोग करें। शांत मन से सोच-समझकर लिया गया दृढ़ निर्णय, गुस्से में दी गई त्वरित प्रतिक्रिया की तुलना में अधिक प्रभावी और दीर्घकालिक होता है। हर परिस्थिति को व्यक्तिगत रूप से लेने पर मन निरंतर संघर्ष की स्थिति में रहता है। इसीलिये सहनशीलता बढ़ाना है और परिस्थितियो को दूसरे दृष्टिकोण से देखना आवश्यक है। हमे दुनिया के ख्यात अमेरिकी मनोवैज्ञानिक जोआन कुक का यह वाक्य हमेशा याद रखना चाहिए कि क्रोध नियंत्रण जन्मजात गुण नही है,बल्कि छोटे-छोटे अभ्यास से सीखने की कला है। क्रोध में बिखरने से बेहतर है, ठहर जाना, दो पल का धैर्य। जिंदगी भर के पछतावे से बचा लेगा।

डॉ.जयंतीलाल भंडारी (देश के ख्यात शिक्षाविद् और अर्थशास्त्री)

व्यक्ति के आचरण को सुधारना ही प्रधान उद्देश्य हैं



उपाध्याय प्रवर मुनि प.पू. श्री मनीष सागर जी म.सा.

मनुष्य के मन में अपने साध्य एवं साधन के बारे में उचित स्पष्टता नहीं होती, इसे स्पष्ट करना ही 'दर्शन' एवं 'आचार' का प्राथमिक उद्देश्य है। मनुष्य के समक्ष ये प्रश्न उत्पन्न होते है कि वह कौन है, कहाँ से आया है, उसके जीवन का उद्देश्य क्या है और इस उद्देश्य की प्राप्ति कैसे की जा सकती। उसे ये जिज्ञासाएँ भी होती है कि वह उचित रीति से कैसे चले, कैसे खड़े हो, कैसे बैठे, कैसे भोजन करे, कैसे बोले और कैसे सोएँ इत्यादि। वस्तुतः इनका समाधान करना ही 'दर्शन एवं आचार' का उद्देश्य है। उल्लेखनीय है कि ये समाधान ही व्यक्ति को उचित लक्ष्य एवं उसकी प्राप्ति के उचित मार्ग से जोड़ते है।

दर्शन एवं आचार जीवन के अल्प अवधि एवं दीर्घ अवधि दोनों प्रकार के साध्यों को निर्देशित करते है। जहाँ इनका उद्देश्य अल्प अवधि-साध्य के रूप में वर्तमान जीवन को तनाव मुक्त बनाकर सुख,शान्ति एवं आनन्द की प्राप्ति कराना है , वही दीर्घ अवधि-साध्य के रूप में मोक्ष दशा को प्राप्त कराना है।

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। सामाजिक इकाई के रूप में वह समाज में रहता और जीता है, अतः उसके सामने यह प्रश्न उठता है कि उसका सामाजिक व्यवहार कैसा हो ? इस प्रश्न का सही समाधान करना भी 'दर्शन' एवं 'आचार' का कार्य है। इसका उद्देश्य है कि जीवन जीने की ऐसी प्रणाली विकसित हो, जिसमें स्वार्थ, परार्थ एवं परमार्थ का सन्तुलन हो। आशय यह है कि स्वहित एवं परहित एक-दूसरे के लिये बाधक न बने। इस दशा को जीवन-प्रबंधन की दशा कहा जा सकता है।

मनुष्य साधारणतया बाह्यय प्रवृत्तियो को ही आचार का मापदण्ड मानता है। अतः सभ जगह बाह्य व्यवहार को ही सुधारने की प्रेरणा दी जाती है, परन्तु जैन दर्शन एवं आचार आभ्यन्तर भावों और बाह्यय व्यवहारों दोनों को सुधारने पर समान बल देते है। "इस प्रकार व्यक्ति के आचरण को मूल से सुधारना जैन दर्शन एवं आचार का प्रधान उद्देश्य है।"





SINCE 1964

Apsara tea

BLACK PEPPER

TULSI

CARDAMOM

ASHWAGANDHA

ASAFOETIDA

ROCK SALT

CINNAMON

देसी काढ़ा

Apsara Detox Kahwa Tea

Helps in Improving Immunity

Green Tea Detox Kahwa

www.apsaratea.in

अनुदान

जन्म दिन, पुण्यतिथि, सालगिरह पर - पूरा पेज 7000/- रु.,
आधा पेज 4000/- रु., सिर्फ फोटो 1000 का अनुदान देकर लाभ लेवें ।

"एक ऐसा शब्द, जिसमें पूरा संसार समाया होता है ।"

आप आज हमारे बीच नही है, लेकिन आपकी ममता, आपका स्नेह, आपकी मुस्कान और आपके दिए हुए संस्कार आज भी हमारे साथ है ।

समय बीत रहा है, दिन बदल रहे हैं, लेकिन आपकी यादे हमारे दिल से कभी नहीं मिटेंगी । हर खुशी में आपकी कमी महसूस होती है और हर मुश्किल में ऐसा लगता है जैसै आपका आशीर्वाद आज भी हमारे सिर पर है ।

आपने हमें सिर्फ जीवन नही दिया, बल्कि जीने के संस्कार, अपनो से प्रेम करना और हर परिस्थिति में परिवार को साथ लेकर चलना सिखाया । याद हमारे दिल में न आई हो ।

प्रथम पुण्यतिथि पर
भावपूर्ण श्रद्धांजलि



स्व. श्रीमती पुष्पा देवी देशलहरा
देवलोक गमन 10.10.2025

आपकी प्रथम पुण्यतिथि पर हम नम आँखो से आपको श्रृद्धापूर्वक नमन करते है । हे अरिहंत प्रभु, दिवंगत आत्मा को अपने चरणो में स्थान प्रदान करें एवं उन्हे शाश्वत् शांति प्रदान करें ।

"माँ चली जाती है, पर उसकी ममता कभी नहीं जाती...वह अपनी यादों और संस्कारों के रूप में सदा हमारे साथ रहती है ।"

विनम्र श्रद्धांजलि एवं शत्-शत् नमन ।

शोकाकुल परिवार
धरमचंद देशलहरा, आनंद-विशा,
अनवि एवं अवि देशलहरा ।
परिणय साड़ी
शक्कर बाजार, इन्दौर

Shyam Sandwich
BEST IN TOWN
T.N. Road
TASTE & QUALITY
ESTB. 2022
SHANKY'S Cafe
Pure Veg & Jain Food
• SANDWICHES • COLD COFFEE
• FRENCH FRIES • MILK SHAKE
• PASTA & PIZZA • MAGGI
• GARLIC BREAD • VEG. BURGER
• BROWNIE & MUFFINS • MOJITO
zomato
SWIGGY
UG-9, Silver Estate Building, 19/1, Y.N. Road,
Near Mocha Café, Opp. Bharat Studio, Indore (M.P.)
Contact : 0731-4100096, 8819888338 9827057244

Purasure
The Essence of Good Health
Dairy Dose
दूध । घी
Vardhaman Agencies
12, K J Chamber Siyaganj, Indore
0731-2531812, 4901312, +91 9827031812

अनन्त मेडिकोज
सभी प्रकार की दवाइयों एवं कॉस्मेटिक के विक्रेता
सी.एम.-4, सुखलिया (हीरा नगर थाने के सामने), इन्दौर (म.प्र.)
फोन : 2557124

गिरीश पावेचा
गौरव पावेचा
(O) : 2384349, 2491586
(M) 9826340091, 9179186548
पार्श्वनाथ
टिम्बर कॉर्पोरेशन हाऊस सोल्युशन
टाइल्स ✻ मार्बल ✻ ग्रेनाइट ✻ टिम्बर प्लायवुड
दरवाजे ✻ चौखट ✻ सेनेटरी वेयर्स के होलसेल विक्रेता
500/3, जीएनटी मार्केट, धार रोड़, इन्दौर
155-ई.डी., स्कीम नं. 94, खजराना रिंग रोड़ चौराहा, इन्दौर

action TESA
मजबूती भी, भरोसा भी !
INDORE'S TRUSTED DESTINATION
FOR PREMIUM WOOD PANELS & FLOORING
INDIA'S No.1 WOOD PANEL COMPANY
NAKODA MARKETING
9893292405
8262624446

सोलर रूफटॉप लगवाइए - बिजली बिल घटाइए!
TATA POWER SOLAR के अधिकृत चैनल पार्टनर
घर | दुकान | फैक्ट्री
सरकारी सब्सिडी उपलब्ध*
उत्तम गुणवत्ता व भरोसेमंद सेवा
आज ही संपर्क करें!
Tree Solutions & Services लवेश कुमठ (जैन) मो.:-9244100789

बस 10 मिनट बाकी हैं... !!

सोचो अगर हमें 10 मिनट पहले यह पता चल जाए कि हमारी मृत्यु होने वाली है.. हमारे पास वे सारे संसाधन हो, जिन्हें हमने पूरी उम्र जुटाया है । हमारे अपने सगे, संबंधी, रिश्तेदार सब हमारे पास हो । वकील भी वही हो डॉक्टर भी वही हो । और जिस गुरु शरण को पाने के लिये हम जीवनभर तरसते रहे, वे आराध्य पूजनीय गुरु भगवंत भी स्थानक में विराजमान हो ...

तो सवाल सिर्फ इतना होगा- हम उन आखिरी 10 मिनटो में क्या करेंगे ?

सवाल जितना छोटा है, उसका जबाव शायद उतना ही कठिन है ।

कुछ लोग शायद डॉक्टर से कहेंगे- "डॉक्टर साहब !कुछ भी कीजिए ..मुझे बचा लीजिए ।" लेकिन जब समय निश्चित हो चुका है, जब जाने का क्षण तय हो चुका है, तो क्या उस समय भी जीवन को पकड़कर रखने की कोशिश करना हमारी सबसे बड़ी भूल नही होगी ?

कुछ लोग शायद परिवार को अपन पास बुलाएँगे, उन्हे खूब प्रेम स्नेह लुटाएँगे, गले लगाएँगे, और उन 10 मिनटो में वह प्रेम देने की कोशिश करेंगे जो शायद पूरी उम्र नही दे पाए ।

लेकिन सोचिए, जिस प्रेम की आदत परिवार को कभी मिली ही नही, क्या आखिरी 10 मिनट का प्रेम उन्हें समझ आएगा ?

और अगर उम्रभर हम अपने ही परिवार के लिये समय नही निकाल पाए, तो क्या मृत्यु के द्वार पर खड़े होकर 10 मिनट में उस अधूरे प्रेम की भरपाई हो पाएगी ?

कुछ लोग शायद उन 10 मिनट में भी हिसाब किताब पूरा करने की कोशिश करेंगे ।

किससे कितना लेना है....?

कहो कितनी जमीन है....?

कौन से कागज कहाँ रखे है....?

बैंक का पासवर्ड क्या है....?

कौन सी धरोहर किसके नाम करनी है ...?

लेकिन एक सवाल है-जिसका हिसाब पूरी जिंदगी पूरा नही हुआ, क्या उसके लिये आखिरी के 10 मिनट काफी होंगे ?

जिसे साथ लेकर जाना ही नही है,

उसकी चिंता लेकर भी आखिर कहाँ जाना है ?

शायद बहुत कम लोग ऐसे होंगे जो उस समय संसार को समेटने के बजाय स्वयं को समेटने की कोशिश करेंगे । जो न डॉक्टर की ओर भागेंगे, धन की ओर, न रिश्तो की ओर, बल्कि अपने गुरु भगवंत की निश्रा में बैठकर अपने अंतिम क्षणों को आरधना में लगाएँगे । क्योंकि सच तो यह है- आराधना करना हम सभी चाहते है..

लेकिन हमने जीवन में फैलाव इतना कर रखा है कि उसे समेटने में शायद एक जन्म भी कम पड़ जाए । किसी ने मोह फैला रखा है ..

किसी ने द्वेष..

किसी ने लोभ...

किसी ने अहंकार

और किसी ने इच्छाओं का ऐसा संसार बना लिया है जिसे समेटते समेटते पूरा जीवन बीत जाता है । जरा सोचिए..अगर आज ही हमे यह सब समेटना पड़े । जितना हमने वर्षो में फैलाया है । तो कितना समय लगेगा ?

यही चिंतन का विषय है । जिस मोह को हम जीवनभर सोचते रहे, वह न शरीर के साथ जाएगा, न अगले जन्म में साथ चलेगा । जिस धन के लिये रात-दिन दौड़ते रहे, वह यही रह जाएगा । जिन रिश्तो को अपना समझकर हमने पूरा जीवन खपा दिया, उनसे भी एक दिन विदा लेनी ही होगी ।

फिर भी.. हमे सबसे अधिक प्रिय वही है जो हमारे साथ जाने वाला नही है । और जिस मरण का केवल विचार ही हमें भीतर तक बैचेन कर देता है, जरा सोचिए...जब वही मरण सच में सामने खड़ा होगा, तब हमारा मन कितना तैयार होगा ? इसलिये अगर हम यह बात अभी अपनी खोपड़ी में नही, अपने भीतर बैठा ले कि-मेरा जाना निश्चित है । दुनिया की कोई ताकत मुझे हमेशा के लिये रोक नही सकती । औरयहाँ से मैं अपने साथ सिर्फ अपने कर्म, संस्कार और धर्म ही ले जा सकता हूँ.."

तो शायद हमारा पुरुषार्थ सिर्फ जीवन को आसान बनाने का नही, मरण को आसान बनाने का शुरु हो जाए । और तब शायद हमें यह समझ आए कि- अंतिम 10 मिनट आराधा के लिये नही होते... आराधना तो उन अंतिम 10 मिनटो की तैयारी है, तो स्वयं से एक प्रश्न कीजिए - अगर सच में बस 10 मिनट बाकी हो, तो मैं क्या करूँगा...? मैं आज क्या कर रहा हूँ, ताकि जब वे 10 मिनट सच में आए तो मुझे कुछ समेटने की जरूरत न पड़े..?

आप किस श्रेणी में है...?

चिंतन अवश्य कीजियेगा ।

यह प्रश्न अंतिम 10 मिनट का था ही नही ....!!!

यह प्रश्न तो आज के हर मिनट का है !!

अणु कृपाकांक्षी







श्री जयंती जी सिंघवी का स्वर्गवास



इन्दौर। परिवार के प्रिय एवं स्व.श्री मूलचंद सिंघवी के सुपुत्र श्री जयंती सिंघवी (ट्रस्टी श्री जैन श्वेताम्बर नया मंदिर ट्रस्ट,महावीर बाग, इंदौर) का आकस्मिक निधन 24 सितंबर 2026 को हो गया है । शोकाकुल- धर्मपत्नी अनीता सिंघवी,पुत्र-पुत्रवधु हर्षित-नुपुर सिंघवी, पुत्री दामाद विनती-ऋषभ शेटीया, मीता-अक्षय कोचर ।

श्री छगनराज जी का स्वर्गवास



इन्दौर। श्री छगनराज जी हुंडिया सुपुत्रस्व.श्री जुगराज जी हुंडिया का निधन 6 अक्टूबर 2026 को हो गया है ।

शोकाकुल- काका मुलचंद जी, भ्राता सुखराज, दलपतराज, अशोक कुमार, बेटी-दामाद संगीता-राकेश भंडारी, सुनीता जितेन्द्र चोपड़ा । इन्दौर-मोकलसर ।

देहदानी श्री पारसमल जी राखेचा का स्वर्गवास



इन्दौर।हमारे काकासा पारसजी राखेचा सुपुत्र स्वर्गीय श्री शैतानमल जी राखेचा का आकस्मिक निधन 3 अक्टूबर 26 को हो गया उनकी इच्छानुसार नेत्रदान, त्वचादान और देहदान किया गया जिसका पुलिस द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर से सम्मान किया गया । शोकाकुल- अनिल,सुनिल, कमलेश, कैलाश, यश कुमार पौत्र साहिल, सवि, सम्यक।

श्री कांतिलाल जी जैन का स्वर्गवास



इंदौर । स्वर्गीय करनमलजी लोढ़ा के सुपुत्र अरविंद जैन, अलका जैन के पिताजी नेहा, निधि के दादाजी, अंकुर के नानाजी अशोक जैन के ससुर जी श्री कांतिलाल जी जैन (सेवानिवृत शाखा प्रबंधक एल.आई.सी) का स्वर्गवास दिनांक 2 अक्टूबर 26 सायंकाल हो गया है । शोकाकुल- अरविंद जैन एवं समस्त लोढ़ा परिवार

श्री अशोक जी जैन का स्वर्गवास



इन्दौर । श्री अशोक जैन पुत्र स्व.राजमल जी जैन का आकस्मिक निधन दिनांक 9/10/2026 को हो गया है । शोकाकुल- कुणाल जैन (पुत्र),वीरेन्द्र जैन (भाई-जयपुर) एवं समस्त सांखला परिवार ।

श्री शुभकरण जी कोचर का स्वर्गवास



इन्दौर। महेन्द्र, राजेन्द्र कोचर, श्रीमती उषा कर्नावट के पूज्य पिताजी, स्व. श्री तेजकरण जी कोचर के सुपुत्र स्व. श्री शांतिलालजी, स्व. श्री श्रीपाल जी, जीवनमल, कोमलसिंह, खुशालसिंह कोचर के बड़े भाई सा. सुश्रावक, धर्मनिष्ठ, स्वाध्याय प्रेमी श्री शुभकरणजी कोचर का स्वर्गवास दिनांक 13.10.2026 को हो गया है ।

श्रीमती हेमलता जी मुथा का स्वर्गवास



नांदेड़ । चंपालाल जी फत्तेपुरीया की जेष्ठ सुपुत्री एवं स्व. योगेन्द्र व चंद्रकुमार, गौतम व राजेन्द्र की बड़ी बहन हेमलता मुथा का दिनांक 26 सितंबर 2026 को शाम आकस्मिक देहावसान हो गया है ।

शोकाकुल- समस्त मुथा परिवार ।

श्रीमती रमीला बेन शाह का स्वर्गवास



इंदौर । हमारी भाभी ललित शाह की धर्मपत्नी, भावेश की माताजी, देवांग की काकी, नम्य व जय की दादी श्रीमति रसीला बेन शाह का आकस्मिक स्वर्गवास 30 सितम्बर को हो गया है । शोकाकुल- जयेंद्र, महेंद्र, ललित शाह फर्म : जे.के.ब्रदर्स, इंदौर ।

श्रीमती कमला जी मानावत का स्वर्गवास



इंदौर । मेरी धर्मपत्नि, जीनेन्द्र कुमार की भाभी, वीरचंद,अरविंद, शैलेन्द्र,रमेशचन्द्र, चन्द्रप्रकाश, राकेश, देवेन्द्र मानावत की काकी जी रोहित,उर्मिला,नीता,बेला की माताजी, अमृता की सासुजी एवं आरुष विहान की पूज्य दादी जी श्रीमति कमला मानावत का निधन आज दिनांक30/9/2026 को हो गया है । शोकाकुल- शांतिलाल मानावत ।

श्रीमती शांता देवी बांठिया का स्वर्गवास



इन्दौर । शांतिलाल बांठिया की धर्म साहयिका श्री शांतिदेवी बांठिया का देवलोकगमन दिनांक 6 अक्टूबर 2026 मंगलवार को हो गया है । शोकाकुल- शांतिलाल बांठिया और परिवार ।

पू.साध्वी केवलदर्शरेखा का देवलोकगमन

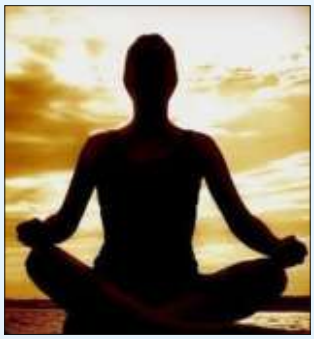


प.पू. साध्वीजी श्री केवलदर्शरेखा श्रीजी गोचरी हेतु अपार्टमेंट, वापी पधारे थे । 10वें माले से सीढ़ियो द्वारा नीचे उतरते समय पानी की वजह से उनका पैर फिसलने से कालधर्म 7/10/2026 बुधवार को प्राप्त हुए ।





सामायिक बार बार करने जैसी है



एक बार इस पोस्ट को बड़े ध्यान व एकाग्रता से पढ़ना, शायद अतिशीघ्र आप भी सर्व कर्म मुक्त बन जाओगे ।

फैक्टः-1 : छिन्नइ असुहं कम्मं-

अशुभ कर्मो का नाश सामायिक करने से होता है ।

फैक्टः-2 : नरकगति के बंधनो को तोड़ने की क्षमता सामायिक में है ।

फैक्ट :-3 : सामायिक से 4 प्रकार के धर्म होते है ।

1.चौद-राजलोक के छः काय जीवों को अभयदान सामायिक करने से मिलता है इसलिए,दानधर्म

2.सामायिक में शीलव्रत का पालन होता है, इसलिए शीलधर्म

3.सामायिक में 4 प्रकार के आहार का त्याग किया जाता है इसलिए , तपधर्म

4.सामायिक की क्रिया भाव से ही करनी चाहिए इसलिए, भावधर्म

फैक्टः-4 : 100 साल तक नरक में रहने वाला जीव जालिम दुखो की वेदनाओं को सहन करके जितने कर्म क्षय करता है, उतने पापकर्मो का क्षय आराधक जीव सामायिक से करता है ।

फैक्ट :-5 : एक सामायिक करने से 92 करोड़ , 59 लाख, 25 हजार, 925 ऊपर तीन अष्टमांश (3/8) पल्योपम वैमानिक देवलोक के आयुष्य का बंध होता है ।

फैक्ट :-6 : 400 लाख किलो स्वर्ण का दान, 1 लाख साल तक देने से जितना पुण्य प्राप्त होता है उससे अधिक पुण्य 1 सामायिक का होता है.।

फैक्ट :-7 : सुवर्ण सोपाण श्रेणी से मंडित जिन मंदिर कोई व्यक्ति निर्माण करके जो पुण्य- उपार्जन करता है उससे अधिक पुण्य एक सामायिक करने से प्राप्त होता है ।

फैक्ट :-8 : रोज दो या अधिक सामायिक करने की प्रतिज्ञा वाले की सामायिक में स्वाध्याय, जप, ध्यान, आरधना, वांचन, जिनवाणी का श्रवण इत्यादि का सुंदर लाभ मिलता है, प्रतिदिन थोड़ा थोड़ा करके ढ़ेर सारा धर्मधन जमा हो सकता है ।

फैक्ट :-9 : ''अहिंसा परमो धर्मो'' का पालन संपूर्ण रुप से सामायिक द्वारा हो सकता है ।

फैक्ट :-10 : सामायिक द्वारा अनंता जीवो को 48 मिनिट तक अभयदान की घोषणा होती है । इसलिए शास्त्रों में एक मिनिट के विरतिमय जीवन के 2 पल्योपम के देवगति के आयुष्य का पुण्यबंध बताया है ।

फैक्ट :-11 : हम जितनी बार सामायिक करते है , उतनी बार संसार का त्याग गिनाता है ।सामायिक व्रत से युक्त (श्रावक) जब तक सामायिक (नियम) में रहता है । तब तक अशुभ कर्मो का नाश करता है । और सामायिक में रहा श्रमण जैसा ही कहलाता है ।

समणो इव सावओ

फैक्ट :-12 : जो आत्मा साधु नही बन सकता वो धर्मी जीवों के लिए प्रभु ने विरति धर्म का अस्वाद कराने के लिए ये अनुष्ठान दिया है, जो जितना सामायिक करता है वो उतनी बार अशुभ कर्म का नाश करता है और श्रमण जैसा बनता है ।

फैक्ट :-13 : एक गाँव छोड़े बिना दूसरे गाँव नही जा सकते, वैसे ही राग वृत्ति छोड़े बिना वीतरागता कैसे प्राप्त कर सकते है ?

रागदशा छोड़ने से समता प्रगट होता है और राग-रहित सामायिक में वीतराग परमात्मा की पहचान होती है ।

फैक्ट :-14 : अहो भाग्यम । सामायिक की आराधना सिर्फ मनुष्य के जीवन (भव) में ही सुलभ है, देव-तिर्यच-नरक आदि के जीवो को ये भाग्य कहाँ ? इसलिए अपनी जिंदगी में जो ऐसा उत्तम सामायिक न करे वो जीव कमभागी ही कहलाएगा ।

फैक्ट :-15 : 6 आवश्यक में सामायिक प्रथम आवश्यक है ।

फैक्ट :-16 : सामायिक भवी जीवों को सर्वश्रेष्ठ फल (मोक्ष फल) दे सकता है । इसलिए मोक्षकलक्षी जीव को शिव (भगवान) बनाने से जो कोई परम- अराधना है तो वो है समायिक ।

फैक्ट :-17 : सभी संप्रदाय/पंथ/समुदाय में सामायिक का बहुत महत्व है ।अतः **''बहुसो सामाइय कुज्जा''**

सामायिक बार -बार करने जैसा है ।

अनुप्रेक्षा - पुणिया श्रावक को सामायिक और हमारे द्वारा की गई सामायिक में कितना अंतर है ।

जबकि बताई गई विधि में कोई अंतर नही है ।

फैक्ट :-18 : सामायिक करने जैसा है और ऐसे मैसेज जन-जन तक पहुचानें से भी आप कई अशुभ कर्मो का नाश कर ...पुण्य उपार्जन कर सकते हो ।

मैं अवश्य सामायिक करुंगा ही ।









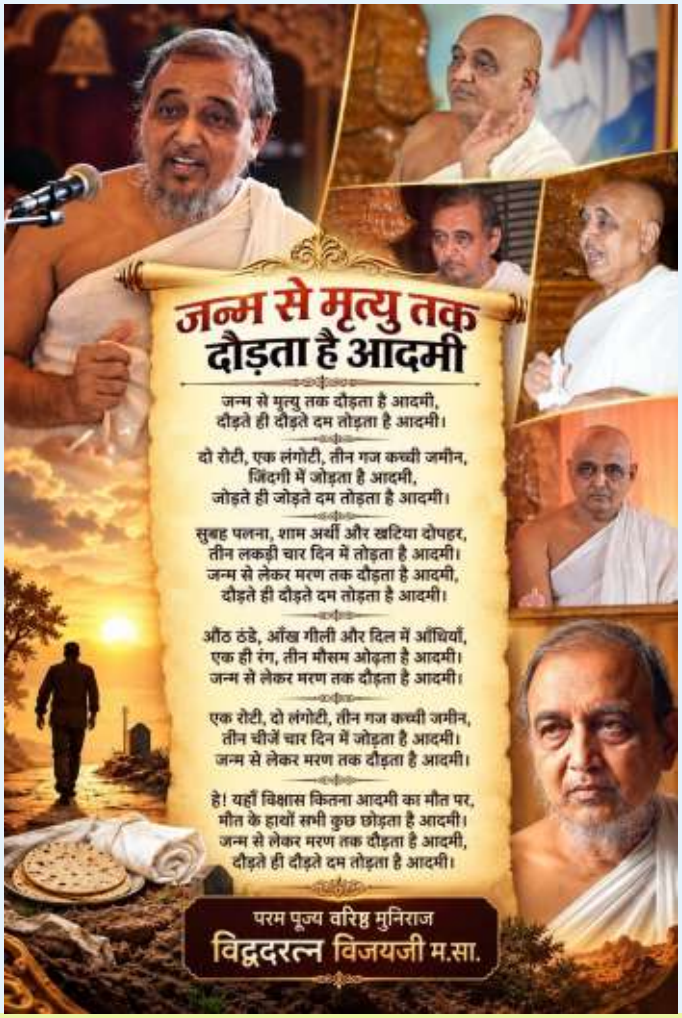
जीवन के अमूल्य सूत्र

1. अविवेक क्षण क्षण में कष्ट देता है।
2. नाम के लिए किये गये धर्म से पुण्य भी नहीं बंधता।
3. बुद्धिमान व्यक्ति सदा सावधान रहता है।
4. भोगों की दोस्ती मुक्ति की छुट्टी करा देती है।
5. धर्म चर्चा का नहीं चर्या में सुख भोगने का नाम है।
6. समृद्धि धन से नहीं ज्ञान से आती है।
7. मोह की गुलामी वाले जीव विषय कषाय की पूर्ति में लगे रहते हैं।
8. बहुत धन जोड़ने से सुकून नहीं चिंता बढ़ती है।
9. जग की बातों में कभी मत आना वरना जग में ही फिरना होगा।
10. भगवान आत्मा के पास रहने वाले ही भगवान के पास रहते हैं।

मेरी पहचान - मैं जैन हूँ

जनगणना में सही जानकारी दें, अपनी पहचान सुरक्षित रखें





विचार और व्यवहार का महत्व

"जिंदगी में विचार और व्यवहार का बहुत महत्व है। एक विचार व्यवहार बदल देता है, और एक अच्छा व्यवहार जिंदगी बदल देता है।"

यह कथन हमें जीवन की एक बहुत गहरी सच्चाई समझाता है। हमारे **विचार** हमारे **व्यक्तित्व** की नींव हैं और हमारा **व्यवहार** उस **व्यक्तित्व** का **प्रतिबिंब**। जैसा हम सोचते हैं, वैसा ही धीरे-धीरे हमारा बोलना, व्यवहार करना और दूसरों के साथ संबंध बनाना शुरू हो जाता है।

विचार → व्यवहार → व्यक्तित्व

एक **सकारात्मक विचार** हमारे भीतर आशा, विश्वास और साहस पैदा करता है। वही विचार जब हमारे **व्यवहार** में उतरता है तो किसी निराश व्यक्ति को हिम्मत दे सकता है, किसी दुखी व्यक्ति को मुस्कान दे सकता है और किसी टूटे हुए रिश्ते को फिर से जोड़ सकता है।

धन-दौलत से हम किसी को कुछ समय के लिए प्रभावित कर सकते हैं, लेकिन हमारा **अच्छा व्यवहार** किसी के हृदय में वर्षों तक स्थान बना सकता है।

मधुर वाणी, विनम्रता, सम्मान, करुणा और सहयोग— ये ऐसे गुण हैं जिनकी कोई कीमत नहीं होती, लेकिन इनका प्रभाव **अमूल्य** होता है।

मधुर वाणी · विनम्रता · सम्मान · करुणा · सहयोग
— अमूल्य गुण —

इसलिए केवल **अच्छा सोचने** से काम नहीं चलेगा। **अच्छे विचारों को अच्छे व्यवहार में उतारना ही वास्तविक जीवन की साधना है।**

सोचें अच्छा करें अच्छा बनें बेहतर

सुंदर विचार मन को बदलते हैं,
सुंदर व्यवहार रिश्तों को बदलता है,
और **सुंदर रिश्ते** पूरी जिंदगी को सुंदर बना देते हैं।

आत्मचिंतन: मेरे विचार कितने अच्छे हैं, यह महत्वपूर्ण है; लेकिन मेरे व्यवहार से मेरे कारण कितने लोगों का जीवन बेहतर हुआ यह उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है।

सबका मंगल हो।







संवाद ऐसी कला है जो संबंधो को परिपूर्ण करती है ।



पू. आचार्य श्री
विजय रत्नसुन्दरसूरी जी मा.

पतंग को यदि आसमान में उड़ना है तो उसे धागे की शरण में जाना ही पड़ता है ।

गुब्बारे को यदि जमीन से ऊपर उठना है तो उसे हवा की शरण लेनी ही पड़ती है ।

इस किनारे पर स्थित व्यक्ति को यदि सामने के किनारे तक पहुंचना है तो उसे पुल की शरण लेनी ही पड़ती है । संबंधो को यदि जीवित रखना है, दीर्घजीवी बनाये रखना है, आत्मीयता पूर्ण रखना है तो उन्हें संवाद की शरण में ले जाना ही पड़ता है । याद रखना, संबंध में बात भी होती है, वाद भी होता है, विवाद भी होता है, विद्रोह भी होता है । परन्तु उन सब में संबंध को कायम रखने की क्षमता है ही यह निश्चित नहीं है ।परन्तु, संवाद का स्वरूप तो शक्कर के समान है । दूध में प्रवेश करके शक्कर जैसे दूध को स्वादिष्ट बना देती है, वैसे ही संवाद का संबंध में होने वाला प्रवेश संबंध को मधुर बना देता है । जिस प्रकार टी.वी. में समंदर को देखना अलग है और समंदर को प्रत्यक्ष निहारना अलग है । उसी प्रकार, संपर्क के माध्यम से संबंध में संवाद कायम रखना अलग है और मशीन के माध्यम से संबंध में संवाद टिकाये रखना अलग है । क्या कहूँ ? जिसका कोई नहीं है उसका यदि मोबाइल है तो जिसका मोबाइल है उसका कोई नही है ।

कम से कम संबंध में संवाद जारी रखने के लिये तो मोबाइल को कोने में रखना ही होगा ।

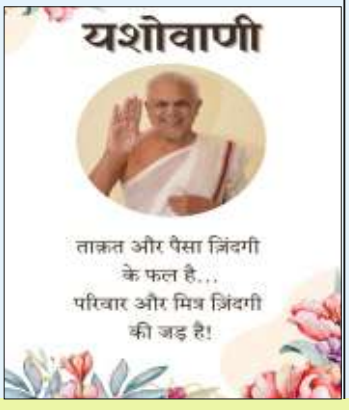
1. जो बात का पक्का और हाथ का सच्चा, समझो वह इंसान सबसे अच्छा ।
2. उसे अपना सच्चा परिजन समझिए जो रोग, कष्ट या संकट आ जाने पर ठीक समय पर सेवा में पहुँच जाए ।
3. हर इंसान की अपनी पहचान होती है, पर हवाओं का रूख वही बदल पाते है जिनके इरादों में जान होती है ।
4. अपने स्वभाव को अपने चेहरे से ज्यादा सुन्दर बनाइए । सुन्दर चेहरा तो कुछ दिन सुन्दर लगेगा, पर सुन्दर स्वभाव जीवन भर सुन्दर लगेगा ।



।।आचार्य श्री विजय रत्नसुन्दरसूरीश्वर जी की निश्रा में सरस्वती पूजन ।।

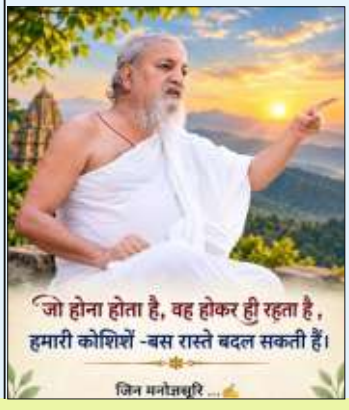
''सुई'' जब अकेली चलती है, तो उसका ''कर्म'' सिर्फ ''चुभना'' होता है, लेकिन जैसे ही उसे ''धागे'' का साथ मिलता है, उसका ''कर्म'' फटे हुए को सिलना हो जाता है । ये ''स्वभाव'' तो नही बदलता,पर ''कर्म'' जरूर बदल जाते हैं ।











स्पर्श चिकित्सा
Nerve Therapy



भरत गाँधी
94250-67466

सुरेन्द्र गाँधी
94253-49077

4, अनुराग नगर, प्रेस कॉम्प्लेक्स के पीछे, रेनेसा कॉलेज के पास, ए.बी. रोड, इन्दौर
समय – प्रातः 9 से 12, सायं 5 से 8

19/3, नार्थ राजमोहल्ला, गार्डन के सामने, इन्दौर-452 002 (म.प्र.)
समय – प्रातः 11 से 1:30

- सर्वाइकल
- स्लिप डिस्क
- घुटने में गैप का कम होना, सोजन
- गर्दन एवं कमर में नस का दबना सुन्नपन
- हाथ एवं पैरों में झुनझुनी, ताकत कम
- बेल्स पाल्सी अथवा फेशियल पाल्सी
- माइग्रेन अथवा सर दर्द
- फूट एवं एंकल पेन
- चक्कर आना अथवा वरटाईगो
- फ्रोजन शोल्डर
- टेनिस एल्बो
- घुटने में लिगामेंट इंजुरी
- मांसपेशियों से संबंधित
- गैस एसीडीटी, भूख न लगना

बिना दवाई के ईलाज किया जाता है। शरीर के सारे दर्द ठीक किये जाते हैं।

MALWA FOODS

MALWA
Pure Ghee / Milk Powder

Manufacturer & Packer of Malwa Pure Ghee & Milk Powder
Available in : 1 Ltr., 500 ml., 15 kg. Tin, 5 Ltr. Tin Refill & Jar

CHAGANRAJ HUNDIA, DINESH HUNDIA, SATISH HUNDIA
17/1, Baba Balmukund Bhawan, Siyaganj, Indore | Ph. : 0731-2547037, 4079458
Mob. : 98272-21461, 7828048277 | Email : gheemalwa@gmail.com

अमृत शाह एण्ड एसोसिएट्स
प्रॉपर्टी ब्रोकर्स

रहवासी ✲ प्लॉट ✲ फ्लेट्स ✲ रो हाउस ✲ बंगलो ✲ टेरेस फ्लेट ✲ पेन्ट हाउस ✲ कमर्शियल प्लॉट ✲ दुकान ✲ शोरुम ✲ ऑफिस ✲ शेड ✲ गोडाउन ✲ इण्डस्ट्रियल ✲ जमीन प्लॉट ✲ रोड फेक्ट्री ✲ मशीनरी ✲ इण्डस्ट्रियल यूनिट

खरीदना ✲ बेचना ✲ किराये पर लेने–देने हेतु सम्पर्क करें।

जी–1, रुचि अपार्टमेन्ट, 108/47, न्यू अग्रवाल नगर, इन्दौर 452 001
फोन : 0731-2464464, 4284545, 09302504646, 09425055036

Pure Veg

Aieroc

Café & Banquets

*Jain Food Available For Banquet Parties

*Jain Food By KILO Home Delivery Available

*Capacity 25-125 Pax

Call-73599-42222

Lunch, High Tea & Dinner Packages Available.

Add:- Aieroc Café, Scheme No-140, Behind Kerala Bakery, Indore

Ajay Bhandari
9425903531

Aaveg Bhandari
9826090899

Bhandari Fabricators

Don't compromise - customize

Expertise In :

- Corporate Furniture
- Hospital Furniture
- Residential Furniture
- School Furniture

89/1, Snehlataganj, Indore 452 003, Email : bhandari.fabricators@gmail.com

॥ श्री केशरियानाथाय नमः ॥ श्री दादा जिनदत्त मणिधारी कुशलसूरी गुरुभ्यो नमः ॥



निलेश बापना
94253-22032



निधि बापना
98260-21458

आर्थिक हानि एवं मानसिक परेशानियों से छुटकारा पाईये
त्वरित सेवा, तुरन्त दावा निपटारा की सुविधा पाईये

A journey of thousand miles begins with a single step



NAYAN BAPNA
97559-70421

LIC | HDFC ERGO Take it easy! | ADITYA BIRLA CAPITAL LIFE INSURANCE | TATA AIG INSURANCE | युनाइटेड इंडिया UNITED INDIA

बीमा सम्बंधित त्वरित सेवाएँ
LIFE | HEALTH | MOTOR | HOME | TRAVEL | FIRE

MUTUAL FUND DISTRIBUTOR

- Compounding Benefits
- Investment Growth
- Long-Term Stability
- Transparency
- Quick & Hassle-Free Claims
- Personalized Solutions

बापना इन्श्योरेंस एण्ड क्लेम कंसलटेंट
We Cover Your Entire Risk

1st Floor, 66 Jawahar Marg, Nandlalpura Squre, Indore | Ph.: 0731-4675004 | Email : nidhibapna24@gmail.com

झटपट तैयार
स्वाद मज़ेदार

पुष्पक मसाले



सभी प्रमुख स्टोर्स पर उपलब्ध

निर्माता : श्री रत्नराज गृह उद्योग
Contact Number : 9425066344

चिकित्सा विज्ञान की आधुनिक सेवाओ सहित, हृदय रोग, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्राल, अस्थमा, टी.बी., गठिया एवम बुखार की उन्नत चिकित्सा के क्षेत्र में एक महत्वकांक्षी केन्द्र

सोनो मेडिकल सेन्टर

16/1, साउथ तुकोगंज (समवशरण जैन मंदिर के पास), इन्दौर
फोन- 2512177, 2512977

सुविधायें:-

- कम्प्यूटराइज्ड ट्रेड मिल टेस्ट - एन्जाइना एवम् हृदय रोग निदान
- इकोकार्डियोग्राफी - हृदय क्षमता परीक्षण एवम् वाल्व संबंधित रोगों की जानकारी।
- कलर डापलर - हृदय के वाल्व, जन्म के हृदय विकार, एवम् खून की नलियों की बीमार का निदान।
- इ.सी.जी. एवम् होल्डर मॉनीटर - 24 घंटे सतत हृदयगति की जानकारी (दैनिक दिनचर्या के दौरान)
- सोनोग्राफी - पेट की बीमारियों का निदान
- पेथालाजी एवं एक्सरे - समस्त प्रकार के रक्त परीक्षण एवं एक्स-रे जाँच
- स्पायरोमेट्री - फेफड़े, श्वॉस क्रिया एवम् अस्थमा की जाँच
- हेल्थ चेक अप - उपरोक्त सभी उन्नत एवम् आधुनिक उपकरणों द्वारा किफायती हेल्थ चेकअप पैकेज।

डॉ. बसन्त लूनिया एम.डी. (मेडिसिन) कन्सल्टिंग फिजिशियन
हृदय एवम् पेट रोग विशेषज्ञ

श्री नाकोड़ा साड़ी सदन

डिजाइनर, लंहगा-चुन्नी एवं फेन्सी साड़िया

9, शेखावत मार्केट, सीतलामाता बाजार, इन्दौर - फोन 2459783-84, (R) 2542422

सिर्फ 1 मसाला और
पनीर तैयार
शाही पनीर
मसाला

PUSHP BRAND
Quick Fry
Ready Mix Masala

सिर्फ ₹10(12g) में 300g पनीर तैयार





No Need to add any other spices
Just add Salt

Available in 200g, 100g, 50g & ₹ 10/- (12g) Packs

Email: info@pushpmasale.com I W: www.pushpmasale.com



बनारस साड़ी सेंटर
397, तिलक नगर, इंदौर फोन: 96444-02001 / 02

प्रेषक :
जैन प्रतीक

मनी आर्डर, शिकायती पत्र, वर्ग पहेली के उत्तर, पत्र, पत्रिकाऐं, पत्र व्यवहार, समाचार, लेख आदि सभी निम्न पतें पर भेजें।
प्रधान सम्पादक : नरेन्द्रकुमार रांका
101, बोथरा इन्कलेव, 1/1, डॉ. आर. एस. भंडारी मार्ग, आर.सी.एम. ग्रॉड के सामने, इंदौर
पता न मिलने पर पत्रिका प्रधान सम्पादक के पते पर लौटाये।

श्री जैन सेवा समिति श्वे., इन्दौर के लिए विमल नाहर द्वारा 52, भगवान महावीर मार्ग, इन्दौर से प्रकाशित एवं रेनबो प्रिन्ट, एल.जी. 24,बड़वानी प्लाजा, इंदौर से मुद्रित

प्रति,

पुस्त प्रेष्य